



मॉनिंग कंसल्ट द्वारा कराए गए वैश्विक सर्वेक्षण पीएम मोदी फिर दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व के सबसे लोकप्रिय लोकतांत्रिक नेता के रूप में शीर्ष पायदान पर कायम है। हाल ही में मॉनिंग कंसल्ट द्वारा कराए गए वैश्विक सर्वेक्षण में उन्हें 68 प्रतिशत अनुमोदन रेटिंग प्राप्त हुई है, जो उनके निरंतर घरेलू समर्थन और बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मान्यता को दिखाता है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह भारत के लिए अत्यंत गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता बने हुए हैं। यह उनकी विश्वसनीयता को दिखाता है। यह भारत और पूरी दुनिया के लोगों के उनके नेतृत्व में विश्वास को दिखाता है:.....प्रधानमंत्री मोदी, जो भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले राष्ट्राध्यक्ष भी हैं, सत्ता समर्थक रुख, लोकप्रियता, निर्भरता और विश्वसनीयता का प्रतीक हैं।

बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने भारत की वैश्विक उपलब्धियों पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया की आलोचना कर कहा कि लेकिन दूसरी ओर, जब भी भारत को कोई वैश्विक पहचान मिलती है, तब कांग्रेस पार्टी को तकलीफ होती और वहां निराशावाद फैलाना शुरू कर देती है। यह ग्लोबल रेटिंग कांग्रेस के पूरे दावे को ध्वस्त करती है। कांग्रेस कहती है कि पीएम मोदी तानाशाह हैं, लेकिन वे सिर्फ चुनाव जीत रहे हैं और उनकी लोकप्रियता



लगातार बढ़ रही है। 2 से 8 मार्च, 2026 के बीच एकत्रित की गई ये रेटिंग ग्लोबल लीडर अफ़्फ़ूल रेटिंग ट्रेकर का हिस्सा है। और प्रत्येक सर्वेक्षण किए गए देश में वयस्कों की राय का सात-दिवसीय मूविंग औसत को दिखाती हैं। सर्वेक्षण में पीएम मोदी को अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं से काफी आगे दिखाया गया है। स्विट्ज़रलैंड के राष्ट्रपति गाय पारमेलिन और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्यंग 62 प्रतिशत अनुमोदन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। तुलनात्मक रूप से, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रेटिंग 39 प्रतिशत है, जबकि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कोर स्टारमर की रेटिंग 24 प्रतिशत है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रॉन सर्वेक्षण में शामिल नेताओं में सबसे निचले स्थान पर हैं, उनकी अनुमोदन रेटिंग 17 प्रतिशत और अस्वीकृति रेटिंग 75 प्रतिशत है।

गौरतलब है कि पीएम मोदी ने हाल ही में भारतीय राजनीति में एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी हासिल की है। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को मिलाकर कुल 8,931 दिनों का नेतृत्व पूरा किया है और अब वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रमुख बन गए हैं। मॉनिंग कंसल्ट की यह रेटिंग विभिन्न देशों के वयस्कों की राय पर आधारित सात दिन के मूविंग एवरेज के आधार पर तैयार की जाती है।

रायपुर। छत्तीसगढ़ की धरती आज एक ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनी, जब राजधानी रायपुर के साईंस कॉलेज ग्राउंड में देश के प्रथम ‘खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026’ का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस राष्ट्रीय आयोजन की आधिकारिक घोषणा करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और खेल अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इस गरिमामयी अवसर पर केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

किसको कितना समर्थन?

वैश्विक नेता	अपूवृत रेटिंग
नरेंद्र मोदी (भारत)	68%
गाय पारमेलिन (स्विट्ज़रलैंड)	62%
ली जे-म्युंग (दक्षिण कोरिया)	62%
आंद्रेज (चेक गणराज्य)	57%
जेवियर माइली (अर्जेंटीना)	55%
साने ताकाइची (जापान)	55%
मार्क कार्नी (कनाडा)	52%
व्लाडिमीर पीनो (बेल्जियम)	43%
बार्ट डी वेवर (बेल्जियम)	42%
लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा (ब्राजील)	42%

डोनाल्ड ट्रंप को टॉप-10 में भी नहीं मिली जगह

वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सूची के टॉप-10 में जगह नहीं बना सके और उन्हें केवल 39 प्रतिशत अफ़्फ़ूल रेटिंग मिली। पीएम मोदी के बाद दूसरे स्थान पर स्विट्ज़रलैंड के राष्ट्रपति गाय पारमेलिन और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग रहे, जिन्हें 62-62 प्रतिशत अफ़्फ़ूल रेटिंग प्राप्त हुई।

जंग लड़ रहे देशों को इसके असर का अंदाजा नहीं: पुतिन

मॉस्को। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को लेकर रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष के असर का अंदाजा लगाना अभी मुश्किल है, लेकिन इसके परिणाम कोरोना महामारी जैसे हो सकते हैं। पुतिन ने साफ कहा कि यह युद्ध केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और सप्लाई सिस्टम को प्रभावित कर रहा है। इससे वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ गई है।

पुतिन ने मॉस्को में बिजनेस लीडर्स से बातचीत के दौरान कहा कि अभी तक इस संघर्ष के परिणामों का सही अनुमान लगाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जो देश इस युद्ध में शामिल हैं, वे खुद भी इसके भविष्य को लेकर स्पष्ट नहीं हैं। ऐसे में बाकी दुनिया के लिए स्थिति और ज्यादा अनिश्चित हो जाती है। उन्होंने यह भी कहा



कि कुछ आकलनों में इस संकट की तुलना कोरोना महामारी से की जा रही है। पुतिन ने कहा कि इस युद्ध का असर अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स, उत्पादन और सप्लाई चेन पर साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि हाइड्रोकार्बन, धातु और उर्वरक जैसे क्षेत्रों पर भारी दबाव पड़ रहा है। इससे वैश्विक बाजार में

अस्थिरता बढ़ रही है और कई देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। कंपनियों को भी बड़े नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हालात नहीं सुधरे तो यह संकट कोरोना महामारी जैसा बड़ा आर्थिक झटका दे सकता है। उन्होंने याद दिलाया कि कोरोना के दौरान पूरी दुनिया की रफ्तार धीमी पड़ गई थी।

पीएम मोदी आज करेंगे मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन बैठक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार की शाम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बातचीत करेंगे। इस बैठक में पश्चिम एशिया में बदलते हालात की समीक्षा की जाएगी और इसके भारत पर पड़ने वाले असर का आकलन किया जाएगा, खासकर तरल प्राकृतिक गैस (एलपीजी) और तेल आपूर्ति से मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में तैयारियों पर फोकस किया जाएगा, जिसमें आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा सुरक्षा और विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल हैं। प्रधानमंत्री बैठक में %टीएम ईंडिया% की भावना के तहत सामूहिक प्रतिक्रिया के महत्व पर प्रकाश डाल सकते हैं, ताकि केंद्र और राज्यों के बीच तालमेल बना रहे। बैठक में वैश्विक अनिश्चितता के बीच देश में स्थिरता बनाए रखने के उपायों पर भी चर्चा हो सकती है। जिन राज्यों में फिलहाल चुनाव चल रहे हैं, वे आचार संहिता के कारण इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह कैबिनेट सचिवालय के जरिये उनके मुख्य सचिवों के साथ अलग से बैठक की जाएगी, ताकि योजनाओं और प्रतिक्रिया की प्रक्रिया जारी रहे। यह बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि भारत इस समय एलपीजी की कमी का सामना कर रहा है।

मैंने राम मंदिर का कभी विरोध नहीं किया : दिग्विजय

अयोध्या। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह गुरुवार को अयोध्या पहुंचे। दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर में पूजा-अर्चना की और कहा कि उन्होंने मंदिर निर्माण का कभी विरोध नहीं किया, बल्कि इसके विपरीत मंदिर ट्रस्ट को दान भी दिया। दिग्विजय सिंह गुरुवार को अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचे और वहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राम नवमी के शुभ अवसर पर मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं। भगवान राम का आशीर्वाद सभी पर बना रहे। राहुल गांधी के अयोध्या दौरे से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से इसके बारे में पूछिए, उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद दिग्विजय सिंह ने हनुमान गढ़ी और राम मंदिर में दर्शन किए। बता दें कांग्रेस पार्टी ने जनवरी 2024 में हुए प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण ठुकरा दिया था, जिसे उसने चुनावी हितों से प्रेरित एक राजनीतिक कदम बताया था। पार्टी ने यह भी कहा था कि उस समय मंदिर का निर्माण कार्य अधूरा था और यह आयोजन पूरी तरह से धार्मिक न रहकर एक पक्षपातपूर्ण रूप ले चुका था।

शांति के लिए पहल नहीं कर रहा भारत : शशि थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को सुलझाने के प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका पर निराशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारत को, अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और दोनों पक्षों से संबंधों



को देखकर कूटनीतिक नेतृत्व करना चाहिए था। अमेरिका और ईरान के बीच गुप्त मध्यस्थता के प्रयासों में पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र की भूमिका की खबरों पर प्रतिक्रिया देकर थरूर ने कहा कि उन्होंने पहले भारतीय सरकार के सतर्क रुख का समर्थन किया था, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि नई दिल्ली एक रचनात्मक शांति पहल करेगा। थरूर ने कहा कि मुझे यह कहते हुए खेद हो रहा है कि फिलहाल हालात अच्छे नहीं हैं। यह हम सभी के लिए थोड़ा शर्मनाक है। मैंने ईरान युद्ध पर मोदी सरकार के संयम और चुप्पी का समर्थन इश्कारण किया था क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि केंद्र सरकार इसका इस्तेमाल शांति स्थापित करने के लिए करेगी और शांति की अगुवाई करेगी, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि भारत को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिणाम उन उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं।

1 अप्रैल से 1000 दवाएं हो जाएंगी महंगी

नई दिल्ली। 1 अप्रैल से दर्द की दवाएं, एंटीबायोटिक दवाएं और बुखार कम करने वाली कई जरूरी दवाओं के दाम बढ़ जाएंगे। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने राष्ट्रीय आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल एक



हजार से ज्यादा दवाओं के दामों में मामूली बढ़ोतरी की इजाजत दे दी है। यह बढ़ोतरी डब्ल्यूपीआई के आधार पर हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक एनपीपीए ने बताया कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार कार्यालय से मिले आंकड़ों के मुताबिक 2025 में डब्ल्यूपीआई में पिछले साल की तुलना में 0.64956 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है रिपोर्ट के मुताबिक इसी आधार पर इन दवाओं की कीमतों में करीब 0.6 फीसदी की बढ़ोतरी की जा रही है। यह बढ़ोतरी हर साल नियमित रूप से की जाती है ताकि दवा कंपनियां बढ़ती लागत को कुछ हद तक संभाल सकें। समायोजित कीमतें एनएलईएम की 1000 से ज्यादा दवाओं पर लागू होंगी। इनमें दर्द निवारक दवाएं जैसे पैरासिटामॉल शामिल हैं। बुखार और निरुद्ध में इस्तेमाल होने वाली यह दवा सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाती है।

ट्रंप का दावा: ईरान ने हमें गिफ्त किए 10 तेल टैंकर

नईदिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान ने अमेरिका को 10 ऑयल टैंकर गिफ्ट दिए, जिनमें से 8 स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरे। उन्होंने कहा कि ईरान इस रास्ते से तेल वसूल रहा है, जो नहीं होना चाहिए। ट्रंप ने यह भी कहा कि दोनों



देशों के बीच बातचीत जारी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को दावा किया कि ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही बैंकचैनल बातचीत के बीच 10 ऑयल टैंकरों को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने की अनुमति दी। उन्होंने इस कदम को ईरान की ओर से गुडविल का संकेत बताया. व्हाइट हाउस में कैबिनेट बैठक के दौरान ट्रंप ने कहा कि यह घटनाक्रम इस बात का संकेत है कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत जारी है, भले ही यह सार्वजनिक रूप से ज्यादा सामने नहीं आई हो. ट्रंप के अनुसार, ईरान ने पहले आठ बड़े ऑयल टैंकरों को गुजरने देने की बात कही थी. उन्होंने कहा कि यह दिखाने के लिए कि वे गंभीर हैं, वे आठ बड़े तेल के जहाजों को जाने देंगे. उन्होंने बताया कि ये टैंकर कुछ दिन पहले स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने लगे थे।

आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़ बना है पाकिस्तान

मनोज कुमार अग्रवाल

विश्व भर में पाकिस्तान सबसे बड़ा आतंकवाद का गढ़ बन गया है। पाकिस्तान की खुद की कमर आज उस आतंकवाद ने तोड़ दी है जिसे कभी शह देकर उसने ही पाला पोसा था। इस बात की पुष्टि ग्लोबल टेरिज्म इंडेक्स कर रहा है, जिसमें पहली बार पाकिस्तान शीर्ष स्थान पर पहुंचा है। साल 2025 में आतंकवाद से जुड़ी मौतों के मामले में 6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस (आईईपी) द्वारा जारी ग्लोबल टेरिज्म इंडेक्स 2026 के अनुसार, पिछले साल पाकिस्तान में आतंकवादी घटनाओं में 1,139 मौतें दर्ज की गईं, जो वहां की बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को

दिखाती हैं। ग्लोबल टैरिज्म इंडैक्स 2026 में 163 देशों में आतंकवाद के असर का आकलन किया गया है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान का अपने पड़ोसी देशों, खासकर अफगानिस्तान के साथ तनावपूर्ण संबंध हैं। इसके अलावा प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) की तरफ से बढ़ती हिंसा ने पाकिस्तान के लिए सुरक्षा जोखिमों को बढ़ा दिया है। पाकिस्तान में आतंकी हमलों में मौत की संख्या भी चौंकाने वाली है। रिपोर्ट से पता चलता है कि पाकिस्तान में आतंकवाद से होने वाली मौतें अब 2013 के बाद से अपने सबसे ऊंचे स्तर पर हैं। 2025 में देश में आतंकवाद से 1,139 मौतें और 1,045

घटनाएं दर्ज की गई थी। इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस की रिपोर्ट में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया गया है। कहा गया है कि टीटीपी ने पाकिस्तान के भीतर सबसे खतरनाक आतंकी समूह के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। यह वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे खतरनाक आतंकी समूह है। आईईपी के आंकड़ों से पता चलता है कि 2009 के बाद से पाकिस्तान में कुल हमलों में टीटीपी के हमलों का हिस्सा 67 प्रतिशत से ज्यादा रहा है, और पाकिस्तान में होने वाले हमलों के लिए यह दूसरे सबसे सक्रिय समूह,



बीएलए के मुकाबले पांच गुना ज्यादा जिम्मेदार है। खास बात यह है कि दुनिया के 4 सबसे खतरनाक समूहों में टीटीपी ही एकमात्र ऐसा संगठन था जिसकी गतिविधियों में पिछले साल बढ़ोतरी देखी गई। 2025 में टीटीपी की मारक क्षमता में भारी बढ़ोतरी हुई। आतंकवादी घटनाओं की संख्या 24

प्रतिशत बढ़कर 595 हमलों तक पहुंच गई। ये हमले मुख्य रूप से अफगानिस्तान की सीमा के पास खैबर पख्तुन्खा इलाके में हुए, जिसमें 637 लोगों की मौत हुई- यह आंकड़ा 2011 के बाद से सबसे ज्यादा है। रिपोर्ट बताती है कि 6000 से 6500 टीटीपी लड़ाके अफगानिस्तान के अंदर से काम कर रहे हैं और वहीं से पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं। करीब 85 ब्रह्मले अफगान सीमा के 10 से 50 किलोमीटर के दायरे में होते हैं। पाकिस्तान के कबायली इलाकों को लंबे समय तक ऐसे समूहों का सुरक्षित ठिकाना माना जाता रहा है। यहां से तालिबान, हकानी नेटवर्क,

अल-कायदा और बाद में टीटीपी जैसे संगठन मजबूत हुए। 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद टीटीपी को और सुरक्षित ठिकाना मिल गया। पाकिस्तान ने अफगान सरकार से कार्रवाई की मांग की, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। एक नकारात्मक सोच रखने वाला और कट्टरपंथी राह पर चलने वाला पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन व संरक्षण देने वाला पाकिस्तान आज खुद आतंकवाद का शिकार है। एक रिपोर्ट के अनुसार हालांकि, कुल हमलों की संख्या में थोड़ी कमी आई, लेकिन 2025 लगातार छठा साल रहा जब आतंकवाद से मौतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके अलावा, देश में बंधक बनाने की घटनाओं में भी भारी

उछाल देखा गया। 2024 में 101 के मुकाबले 2025 में 655 लोग बंधक बनाए गए। यह वृद्धि मुख्य रूप से जाफर एक्सप्रेस हमले के कारण हुई, जिसमें 442 लोगों को बंधक बनाया गया था। बता दें कि आंतरिक सुरक्षा की स्थिति खासकर खैबर पख्तुन्खा और बलूचिस्तान में सबसे ज्यादा खराब है, जहां 2025 में कुल आतंकी हमलों का 74 प्रतिशत और मौतों का 67 प्रतिशत हिस्सा दर्ज किया गया। वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान अब बुर्किना फासो, नाइजीरिया, नाइजर और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के साथ उन पांच देशों में शामिल है, जहां दुनियाभर की लगभग 70 फीसदी आतंकी मौतें होती हैं।

राज्यपाल से धमतरी जिले के प्रतिभाशाली बच्चों ने की आत्मीय मुलाकात



को लोकभवन में धमतरी जिले के सुदूर आदिवासी एवं वनांचल विकासखंड नगरी के विशेष प्रतिभावान स्कूली बच्चों ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान बच्चों की प्रतिभा और उपलब्धियों पर राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस समूह में शामिल 22 बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2026 के लिए हुआ है, जबकि पांच बच्चों ने स्पोकन इंग्लिश में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। क्षेत्र की विशेष प्रतिभा एआई वीडियो क्रिएटर सातवीं कक्षा की छात्रा कुमारी गरिमा साहू द्वारा तैयार वीडियो का प्रदर्शन भी किया गया, जिसकी राज्यपाल श्री डेका ने सराहना की और उसे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। राज्यपाल ने इन बच्चों की सफलता में योगदान देने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया और कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में सीमित संसाधनों के बावजूद बच्चों को आगे बढ़ाने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। राज्यपाल ने उपस्थित सभी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए 5–5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। उन्होंने बच्चों से कहा कि इस राशि का उपयोग अपनी पढ़ाई और आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में करें। साथ ही, उन्हें गुल्लक भी प्रदान किए गए, ताकि उनमें नियमित बचत की आदत विकसित हो सके। इस अवसर पर राज्यपाल की उपसचिव श्रीमती निधि साहू सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, ग्राम सरपंच, संबंधित स्कूलों के प्रधान पाठक, शिक्षक उपस्थित थे।

राज्यपाल डेका से कुलपति मनोज कुमार श्रीवास्तव ने भेंट की



शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव ने भेंट की। उन्होंने राज्यपाल को विश्वविद्यालय में 4 एवं 5 मई 2026 को आयोजित होने वाले इनोवेशन महाकुंभ के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। डेका ने कहा कि इस आयोजन से बस्तर के युवाओं में नवाचार और उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा मिलेगा यह पहल युवाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में सराहनीय है। राज्यपाल ने कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से गोवा के खेल एवं जनजातीय कल्याण मंत्री तावड़कर की सौजन्य भेंट



रमेश तावड़कर ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए श्री तावड़कर का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह एवं जशपुर के स्थानीय उत्पाद भेंट किए। मुख्यमंत्री साय ने तावड़कर से जनजातीय कल्याण और खेलों के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयासरत है और राज्य में आधुनिक खेल अधोसंरचना विकसित कर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि देश के प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन छत्तीसगढ़ में होना राज्य के लिए गौरव का विषय है। यह आयोजन न केवल जनजातीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा, बल्कि उनकी सांस्कृतिक पहचान और आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

कारोबारियों के 4 ठिकानों पर जीएसटी की बड़ी कार्रवाई

रायपुर। राजधानी रायपुर में राज्य जीएसटी विभाग ने गुरुवार सुबह भैंसस्थान स्थित अन्नपूर्णा कॉम्प्लेक्स में छापेमारी की। टीम लक्ष्मी कमर्शियल और एसआरएस ट्रेडर्स नाम की फर्मों में जांच कर रही है।जानकारी के मुताबिक, करीब 10 अधिकारियों की टीम इस कार्रवाई में शामिल है, जो दोनों फर्मों के चार अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि विभाग को इन फर्मों के खिलाफ जीएसटी चोरी और फर्जी बिलिंग की शिकायत मिली थी। इसी आधार पर यह रेड डाली गई। जांच के दौरान दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डेटा जब्त किया गया है।छापेमारी के दौरान टीम को बड़ी संख्या में संदिग्ध बिल और ट्रंजेक्शन रिकॉर्ड मिले हैं। इन सभी दस्तावेजों और डेटा को जब्त कर विस्तृत जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि शुरुआती जांच में बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी के संकेत मिले हैं। हालांकि, इस मामले में अभी तक आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। जांच और दस्तावेजों के विश्लेषण के बाद ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

राजधानी/छत्तीसगढ़

देश के प्रथम ‘खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026’ का भव्य शुभारंभ

छत्तीसगढ़ में जनजातीय शक्ति का खेल महाकुंभ : देशभर से 9 खेल विधाओं में 30 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लगभग 2500 खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की धरती आज एक ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनी, जब राजधानी रायपुर के साईंस कॉलेज ग्राउंड में देश के प्रथम ‘खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026’ का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस राष्ट्रीय आयोजन की आधिकारिक घोषणा करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और खेल अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इस गरिमामयी अवसर पर केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह खेल महाकुंभ 25 मार्च से 3 अप्रैल तक रायपुर के साथ-साथ बस्तर और सरगुजा में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर के 30 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से लगभग 2500 खिलाड़ी 9 खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम में हॉकी इंडिया के अध्यक्ष श्री दिलीप तिवर्की और ओलंपिक पदक विजेता सुश्री साइखोम मीराबाई चानू की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गौरव प्रदान किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य का विषय है कि प्रभु श्रीराम के ननिहाल में देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन हो रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बस्तर ओलंपिक में 4 लाख तथा सरगुजा ओलंपिक में साढ़े तीन लाख लोगों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि जनजातीय समाज में खेलों के प्रति गहरी रूचि है। उन्होंने

मुख्यमंत्री साय 28 को जशपुर में श्रमिकों के बैंक खाते में 27.15 करोड़ की राशि अंतरित करेंगे

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में शनिवार 28 मार्च को दोपहर 01 बजे जिला मुख्यालय जशपुर के वशिष्ठ कम्युनिटी हॉल में जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन आयोजित होगा। मुख्यमंत्री द्वारा श्रम विभाग के अंतर्गत 12 विभिन्न श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत 79,340 निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिजनों को 27.15 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित किया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश की श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी, विशिष्ट अतिथि लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. राम प्रताप सिंह सहित अन्य



जन प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के सचिव श्री गिरीश रामटेके ने बताया कि दीदी ई-रिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत 14 हितग्राहियों को 14 लाख 32 हजार रुपये, मिनीमाता महतारी जतन योजना के अंतर्गत 1960 श्रमिकों को 3 करोड़ 92 लाख रुपये, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना के तहत 297 श्रमिकों को 44 लाख 55 हजार रुपये, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के अंतर्गत 20 हितग्राहियों को 20 लाख रुपये, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत 325 श्रमिकों



विशेष रूप से उल्लेख किया कि आत्मसमर्पित नक्सली भी ‘नुआबाट’ (नई राह) के माध्यम से मुख्यधारा में लौटकर इन आयोजनों में सहभागी बने—जो परिवर्तन और विश्वास का प्रतीक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार में खेलों को लेकर उत्साह और प्रयास दोनों दोगुने हैं। राज्य सरकार ने ‘मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन’ को शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत खेल अधोसंरचना निर्माण और प्रतिभाओं के चिन्हांकन के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने बताया कि रायपुर और बिलासपुर में खेलो इंडिया के तहत रैजिडेशनल अकादमियां संचालित हैं, जबकि जशपुर, रायगढ़ और रायपुर में इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है। राज्य सरकार ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओलंपिक में

के बच्चों को 38 लाख 88 हजार 374 रुपये, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के अंतर्गत 3040 श्रमिकों को 6 करोड़ 08 लाख रुपये, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के तहत 71220 श्रमिकों के बच्चों को 14 करोड़ 53 लाख 96 हजार 500 रुपये, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना के अंतर्गत 1142 श्रमिकों को 39 लाख 50 हजार 624 रुपये,

मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना के तहत 526 हितग्राहियों को 1 करोड़ 52 लाख रुपये, मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना के अंतर्गत 784 श्रमिकों को 29 लाख 04 हजार 082 रुपये, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के अंतर्गत 9 हितग्राहियों को 9 लाख रुपये, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीर्घायु सहायता योजना के अंतर्गत 3 श्रमिकों को 60 हजार रुपये अंतरित किए जाएंगे।

रजबंधा सबस्टेशन व मेटलपार्क सिलतरा में सीएसईबी ने बढ़ाई क्षमता

रायपुर। राजधानी के मध्य संभाग अंतर्गत 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र रजबंधा में 8 एमवीए के एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर को एमडी (डिस्ट्रीब्यूशन) भीमसिंह कंवर ने चार्ज किया। 33/11 केवी रजबंधा सबस्टेशन में अपग्रेडेशन के साथ ही कुल क्षमता 10 एमवीए से बढ़कर 13 एमवीए हो गई है। इससे जयस्तंभ चौक, मोहदापारा, रविभवन, रजबंधा क्षेत्र के लगभग दो हजार से अधिक उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। गर्मी के मौसम में बढ़ने वाले लोड को देखते हुए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया जिससे घरेलू एवं व्यवसायिक उपभोक्ताओं को लो वोल्टेज की समस्या से निजात मिलेगी और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति होगी। इसी कड़ी में मेटलपार्क सिलतरा में



इसी के तहत मेटल पार्क रायपुर में 132/33 के.वी. के नए की स्थापना की गई है, जिसमें 63–63 एमवीए के दो पावर ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। इस उपकेंद्र से 33 केवी के आठ फीडर में बिजली सप्लाई हो रही है। इससे ट्रांसपोर्ट नगर, कैलाश नगर, रावोंभाटा, बंजारी मंदिर के पीछे का क्षेत्र, अकबर बाड़ी, बिलासपुर रोड धनेली निमोरा अछोली, मेटल पार्क आरटीओ के पीछे, बीरगांव तालाब पास तथा ऊरकुरा सहित औद्योगिक क्षेत्र (उरला एवं रावांभाटा) के घरेलू एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं को इसका लाभ प्राप्त होगा।

कांग्रेस के निचले स्तर पर संगठन विस्तार का काम प्रगति पर : दीपक बैज

छत्तीसगढ़ को भाजपा के नेताओं ने एटीएम कार्ड बना लिया है, भाजपा सरकार प्रदेश में दीनदयाल अफीम संवर्धन योजना चला रही है

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राजीव भवन में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2026 को कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्तर पर संगठन सृजन का वर्ष घोषित किया है। छत्तीसगढ़ में भी संगठन सृजन के माध्यम से जिला अध्यक्षों का चयन किया जा चुका है। ब्लाक कांग्रेस अध्यक्षों का चयन भी किया जा चुका है। मंडल अध्यक्षों का भी चयन हो चुका है। जिला एवं ब्लाक स्तर की कार्यकारिणी बनाने का काम प्रगति पर है। 31 मार्च तक सभी जिलों में जिला एवं ब्लॉक की कार्यकारणी का गठन पूरा कर लिया जायेगा। हमने संगठन के निचले पायदान पर भी गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। काका, ग्रामों एवं बूँथ कमेटीयों के भी पुनरीक्षण का वाद, चाल में है। मैंने बस्तर, देवीबाड़ी, महासमुंद, रायगढ़, जशपुर, अंबिकापुर, सूरजपुर, कोरबा ग्रामीण जिलों का दौरा कर 10 जिलों, 20 विधानसभा क्षेत्र के बूथ, वार्ड, ग्राम कमेटीयों के गठन की प्रक्रिया में शामिल हुआ। संगठन के विस्तार में कार्यकर्ता, नेताओं का जबरदस्त उत्साह है। 31 मार्च तक हमारा सांगठनिक ढांचा पूरी तरह तैयार हो जायेगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भारतीय



जनता पार्टी छत्तीसगढ़ को एटीएम समझ लिये है। अब एक नया खुलासा हुआ है कि सारे नियम कायदे को ताक पर रखकर आबकारी विभाग में मेनपावर सप्लाई को ठेका भाजपा के एक राष्ट्रीय सचिव की कंपनी को दे दिया गया। आबकारी विभाग में मेनपावर सप्लाई को 300 करोड़ रू. टेंडर हुआ, जिसमें 148 कंपनियों ने भाग लिया। जिसमें से कंपनी चयनित हुई, इसमें से दो कंपनी एसआईएस कैश सर्विसेस लिमिटेड तथा डस्टर टोटल सॉल्यूशन सर्विसेस प्रा. लि. एक मालिक की हैं। दोनों के मालिक भाजपा के राष्ट्रीय सचिव हैं, जो गुजरात से आते हैं। जबकि टेंडर की शर्तों मे साफ लिखा था कि एक मालिक की दो कंपनी का चयन नहीं हो सकता है। गुजरात के किस प्रभावशाली नेता के इशारे पर यह काम

चयनित खिलाड़ियों को 21 लाख रुपये, स्वर्ण पदक विजेताओं को 3 करोड़, रजत पदक विजेताओं को 2 करोड़ और कांस्य पदक विजेताओं को 1 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि निर्धारित की है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नवा रायपुर में स्थित देश के दूसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का नामकरण जनजातीय नायक शहीद वीर नारायण सिंह के नाम पर किया गया है, जो राज्य के गौरव और प्रेरणा के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने देशभर से आए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ न केवल प्रभु श्रीराम का ननिहाल है, बल्कि यह जनजातीय शौर्य और बलिदान की भूमि भी है। उन्होंने शहीद वीर नारायण सिंह, गेंद सिंह और गुण्डाधर जैसे नायकों का उल्लेख करते हुए बताया कि नवा रायपुर में उनके सम्मान में म्यूजियम बनाया गया है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया है। उन्होंने खिलाड़ियों से इस म्यूजियम का अवलोकन करने का आग्रह भी किया।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शुरुआत छत्तीसगढ़ से होना ऐतिहासिक है और आने वाले वर्षों में भी यह श्रृंखला जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का

आईटीएम यूनिवर्सिटी रायपुर में एडमिशन शुरू

नए दौर के कोर्स और प्रॉस्पेक्टस लॉन्च

रायपुर। आईटीएम यूनिवर्सिटी रायपुर ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2026 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू करने और नए प्रॉस्पेक्टस लॉन्च करने की घोषणा की। विश्वविद्यालय ने इस अवसर पर कई नए और आधुनिक कोर्स पेश किए, जिनमें बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज के स्पेशलाइज्ड प्रोग्राम शामिल हैं, जो वर्तमान इंडस्ट्री की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। इस वर्ष हॉस्पिटैलिटी प्रोग्राम्स में ग्लोबल करियर पाथवे भी शुरू किए गए हैं, जिसके तहत छात्रों को विदेशों में इंटरशिप और इंटरनेशनल एक्सपोजर के अवसर मिलेंगे।

इस मौके पर प्रो वाइस चांसलर डॉ. लक्ष्मी मूर्ति ने कहा, हमारे नए प्रोग्राम्स, खासकर बैंकिंग और ग्लोबन हॉस्पिटैलिटी पाथवे, छात्रों को तेजी से बदलते इंडस्ट्री वातावरण के लिए तैयार करते हैं। हाल ही में आयोजित जॉ फेयर में 1000 से अधिक उम्मीदवारों ने भाग लिया, जहां 80 से ज्यादा कंपनियों ने हिस्सा लेकर लगभग 25 छात्रों को स्पॉट ऑफर दिए। यह हमारी मजबूत इंडस्ट्री कनेक्ट को दर्शाता है।



ग्रुप डायरेक्टर धर्मवीर धीरे ने एडमिशन प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा, आईटीएम यूनिवर्सिटी रायपुर में स एडमिशन पूरी तरह मेरिट के आधार पर होते हैं। यहां किसी भी प्रकार की डोनेशन, कैपिटेशन फीस या सिफा की कोई जगह नहीं है। उन्होंने बताया, हम शिक्षा को सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पिछले यूनिवर्सिटी ने करीब 1 करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप छात्रों को दी थी, और हम इसे आगे और बढ़ाने की दिशा काम कर रहे हैं। अंडाग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट और अन्य प्रोफेशनल प्रोग्राम्स के लिए एडमिशन अब खुले हैं। इच्छुक छात्र-छा विस्तृत जानकारी के लिए नए प्रॉस्पेक्टस और यूनिवर्सिटी की आधिकारिक वेबसाइट देख सकते हैं।

कमर्शियल एलपीजी वितरण के लिए प्राथमिकता श्रेणियां तय

खाद्य विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहब कंगाले ने ली समीक्षा बैठक



के कार्यालय एवं गोदामों में पुलिस एवं होमगार्ड के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे भीड़भाड़ एवं अव्यवस्था की स्थिति न बने। साथ ही वितरकों को अपने दूरभाष नंबर सक्रिय रखने एवं उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उपलब्ध स्टॉक को ध्यान में रखते हुए विभिन्न संस्थानों के लिए प्राथमिकता श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। इनमें शैक्षणिक संस्थान एवं चिकित्सालय, सैन्य एवं अर्द्धसैन्य कैंप, जेल,

होटल, समाज कल्याण विभाग के संस्थान, रेलवे एवं एयरपोर्ट कैटीन, शासकीय कार्यालय, गेस्ट हाउस, पशु आहार उत्पादक इकाइयां तथा रेस्टोरेंट शामिल हैं। बैठक में यह भी तय किया गया कि कमर्शियल एलपीजी स्टॉक की उपलब्धता एवं वितरण की दैनिक समीक्षा ऑन्यल कंपनियों द्वारा की जाएगी तथा इसकी जानकारी प्रतिदिन विभाग को उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग की संचालक डॉ. फरिहा आलम, छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के सदस्य सचिव राजीव कुमार जायसवाल, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के मंडल एलजी प्रमुख श्रीपाद बक्षी, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के प्रादेशिक प्रबंधक दिलीप मीणा, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के क्षेत्रीय प्रबंधक मंगेश डोंगरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दिया गया, प्रदेश की जनता जानना चाहती है। ईडी, ईओडब्लू और सीबीआई क्या मेन पावर सप्लाई के ठेके की गड़बड़ी का भी जांच करेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पहले खुलासा हुआ कि भाजपा के एक राष्ट्रीय नेता ने छत्तीसगढ़ में सत्ता में हुये लोगों 1500 करोड़ रू. मांगा इसका वीडियो भी वायरल हुआ था, इस बारे में सरकार के तरफ से कोई स्पष्टीकरण नहीं आया। मुख्यमंत्री कार्यालय का सोशल मीडिया देख रहे एक व्यक्ति के गिरफ्तारी की बाते भी खूब चर्चा में थी। छत्तीसगढ़ से लगातार नोटों से भरी गाड़ी गुजरात के लिये जाते हुये पकड़ाना संयोग मात्र नहीं है। लोग जानना चाहते है गुजरात किसके पास यह पैसा भेजा जा रहा था। इन घटनाक्रमों से साफ हो रहा है कि छत्तीसगढ़ को भाजपा ने एटीएम कार्ड समझ रखा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अफीम की अवैध खेती के लिए भाजपा सरकार और सत्ता में बैठे नेताओं के संरक्षण मे प्रदेश में दीनदयाल अफीम संवर्धन योजना चला रही है। प्रदेश के कद्दावर मंत्रियों के गृह जिलों में विगत 17 दिनों के भीतर 6 बड़े मामलों का खुलासा हुआ है। बेखौफ होकर अफीम की खेती का

दुस्साहस बिना सत्ता के संरक्षण के संभव नहीं है, पहले दुर्ग के समोदा, फिर बलरामपुर में कुसमी और खबुरी और उसके बाद रायगढ़ जिले के तमनार और लैलूंगा में करोड़ों की अफीम की फसल अचानक नहीं हुई, अफीम कोई मशरूम की फसल तो है नहीं कि बंद कमरे में किया जा सके, खुलेआम एकड़ों में अवैध नशे की खेती और प्रशासन की खामोशी, बिना सत्ता के संरक्षण के संभव नहीं।

सरकार अपने मंत्रियों को उनके गृह जिलों और प्रभार जिलों के अवैध गतिविधियों पर जवाबदेही तय करे। अभी तक प्रदेश के अलग-अलग कोनो ने अफीम को खेती पकड़ाई है। अफीम की खेती का खुलासा जनता ने किया है। जनता ने पुलिस से शिकायत किया, पुलिस और राजस्व अमला क्या कर रहा था? अफीम की लहलहाती खेती 15 दिन, 1 महीने में तो तैयार नहीं हुई है, धान की फसल के दौरान जब पटवारी और राजस्व अमला गिरदावरी रिपोर्ट तैयार कर रहे थे तो उन्हें कैसे पता नहीं चला कि खेतों में अफीम लगा हुआ है? अफीम की खेती के गिरदावरी में मक्का, गेहूँ, अन्य फसल तथा ककड़ी, तरबूज, सब्जी कैसे लिखा गया?

भारत के समक्ष नीतियों की नहीं, अपितु सोच की भी परीक्षा

विनोद पाठक

विगत 26 दिन से अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध में उलझे हुए हैं। एक झटके में दुनिया बदल गई है। हम उस मोड़ पर खड़े हैं, जहां पुरानी ताकतों की पकड़ ढीली पड़ रही है। नए समीकरण बन रहे हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव अब केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया, बल्कि उसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है। ऐसे समय में एक सवाल स्वाभाविक रूप से सामने आता है, क्या भारत इस बदलती दुनिया के लिए तैयार है या अभी भी वह बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर रहने की आदत से बाहर नहीं निकल पाया है? भारत के सामने चुनौती दोहरी है, पहली- ऊर्जा सुरक्षा और दूसरी- सामरिक संतुलन बनाए रखना। क़रूड ऑयल की कीमतें बढ़ रही हैं। आपूर्ति शृंखलाएं अस्थिर हैं। युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ऐसे में भारत के समक्ष केवल नीतियों की नहीं, अपितु सोच की भी परीक्षा हो रही है। भारत अपनी ऊर्जा ज़रूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन हर वैश्विक संकट इसे एक नई तीव्रता से सामने ले आता है। हॉर्मुज स्ट्रेट इस पूरी कहानी का सबसे संवेदनशील बिंदु है। इसके बाधित होने का असर केवल तेल की कीमतों तक सीमित नहीं रहा है, यह सीधे रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर असर डालने लगा है। भारत में रसोई गैस, पेट्रोल (पावर) और इंडस्ट्री के इस्तेमाल वाले डीजल की कीमतों में इजाफा हुआ है। यहां एक गंभीर सवाल उभरता है, क्या भारत ने पिछले दशकों में अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर पर्याप्त दीर्घकालिक तैयारी की है या हर संकट के समय हम अस्थायी समाधान खोजने में ही लगे रहते हैं? दरअसल, तेल की कीमतों में उछलते केवल आर्थिक आंकड़ों का खेल नहीं है। यह महंगाई, मुद्रा और विकास दर, तीनों को प्रभावित करता है। इसका असर अंततः आम नागरिक पर ही पड़ता है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में वैकल्पिक ऊर्जा की दिशा में कदम ज़रूर बढ़ाए हैं, लेकिन अब यह सवाल अधिक प्रासंगिक हो गया है, क्या ये कदम पर्याप्त हैं? ग्रीन हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन बताया जा रहा है। इसमें संभावनाएं भी हैं और रणनीतिक लाभ भी है, लेकिन क्या हम इसे तेजी से जमाने पर उतार पा रहे हैं? सौर ऊर्जा का विस्तार हो रहा है, लेकिन क्या यह इतना व्यापक है कि आयातित ऊर्जा पर निर्भरता को वास्तव में कम कर सके? छतों पर सोलर पैनल लगना एक अच्छी शुरुआत है, पर क्या यह एक व्यापक ऊर्जा क्रांति में बदल पाया है? इथेनॉल मिश्रण ने नई दिशा दिखाई है, लेकिन यहां भी सवाल यही है, क्या यह प्रयास दीर्घकालिक समाधान बन पाएगा या केवल आंशिक राहत तक सीमित रहेगा? स्पष्ट है, ऊर्जा के क्षेत्र में आधे-अधूरे कदम अब पर्याप्त नहीं होंगे। यहां निर्णायक परिवर्तन की आवश्यकता है। एक और बड़ा सवाल यह है कि युद्ध के बदलते चेहरे के चलते क्या हमारी तैयारी पर्याप्त है? रूस-यूक्रेन युद्ध, ऑपरेशन सिंदूर और अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध में हम देख चुके हैं कि युद्ध की प्रकृति बदल गई है। अब बड़े हथियारों की जगह छोटे, सस्ते और अधिक प्रभावी साधनों ने ले ली है। ड्रोन इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण हैं। कम लागत में बड़े नुकसान की क्षमता ने उन्हें युद्ध का निर्णायक हथियार बना दिया है। ऐसे में एक अहम सवाल सामने आता है, क्या भारत इस क्षेत्र में पर्याप्त तेजी से आगे बढ़ रहा है? मिसाइल डिफेंस सिस्टम की आवश्यकता अब स्पष्ट है, लेकिन क्या हमारी मौजूदा व्यवस्था इतनी व्यापक है कि बड़े शहरों और रणनीतिक ठिकानों को पूरी तरह सुरक्षित कर सके? साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध का क्षेत्र और भी जटिल है। यहां लड़ाई दिखाई नहीं देती, लेकिन उसका असर गहरा होता है। क्या भारत इस अदृश्य युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार है?

पुराण दिग्दर्शन

सन्देहाभासनिकारणाध्यायः (नौवां अध्याय)

(गतांक से आगे...)

अर्थात् (क) शचीपति इन्द्र को सहस्र भग प्राप्त का दुःख-प्रद शाप लगा। और [ब्रम्हहत्या के कारण] स्वर्ग पतन हुवा तथा मानसरो-वर में कमल के नाल में छुपने का कष्ट उठाना पड़ा। (ख) एक बार महर्षि गौतम शीघ्र ही कैलाश को गए, तब गौतम का रूप बनाकर इन्द्र ने अहल्या से सम्भोग किया [ऋषि ने लौटते पर एकान्त में सुन्दर एवं पुष्ट स्तनों वाली अहल्या को नंगी देखकर इन्द्र को शाप दिया कि %तेरे अंग में सहस्र भग हों पश्चात् करूद्ध होकर- भयभीत हुई अपनी सुन्दरी पत्नी को शाप दिया कि तू इस महारण्य में पत्थर बनकर पड़ी रह ।

वास्तविक भाव

श्री कुमारिल भट्ट ने अपने तन्त्रवार्तिक नामक प्रसिद्ध ग्रन्थ में उक्त ऐतिहासिक वेद-गाथा का सूर्य-रात्रि-परक, रूपकप्रायः अर्थ किया है। तदनुसार चन्द्रमा ही (उत्तमा गावो रश्मयो यस्य सः) गौतम है,

रात्रि ही उसकी पत्नी (अहलीयते यस्यां सा) अहल्या है। सूर्य ही [य एष (सूर्य) स्तपति, एष उ एव इन्द्रः शतपथ 4 १5 ६:4 के अनुसार परमैश्वर्य्य-सम्पन्न होने के कारण इन्द्र है। वह सूर्य्य रात को जीर्ण करने वाला है अतएव वही जार कहा जाता है। उक्त रूपक के समर्थन में नीचे लिखे प्रमाण द्रष्टव्य हैं-

(क) सुपुष्पः सूर्य्यरश्मिचन्द्रमा गन्धर्व इत्यपि निगमो भवति, सोऽपि गौरुच्यते। गाव उच्यन्ते । सर्वेऽपि रश्मयो

(निरुक्त 2 १2 १2)

(ख) आदित्योऽत्र जार उच्यते रात्रेर्जर्यिता ।

(निरुक्त 3 १3 १4)

अर्थात् (क) सूर्य्य की सुपुष्पा नामक रश्मि चन्द्रमा को रूप-सो उस रश्मि को गौ सम्पन्न बनाती है- यह वैदिक सिद्धान्त है, कहते हैं, अथवा सभी रश्मियों का नाम गौ है।

क्रमशः ...



ज्ञान/मीमांसा

हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व त्ववस्था

ललित गर्ग

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सुष्ठि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनात दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल



पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा ज़रूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे।

श्री राम नवमी



आदर्श राजा और आदर्श मानव के रूप में भी पूजे जाते हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी धर्म और सत्य का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए।आज के बदलते सामाजिक परिदृश्य में राम के आदर्श और भी प्रासंगिक हो जाते हैं। जब समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास दिखाई देता है, तब राम का जीवन हमें मर्यादा, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा की याद दिलाता है।

राम ने अपने पिता के वचन को निभाने के लिए १४ वर्षों का वनवास स्वीकार किया, जो आज के समय में कर्तव्य और परिवार के प्रति समर्पण का सर्वोच्च उदाहरण है।राम नवमी के अवसर पर देशभर के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना होती है। भक्तजन व्रत रखते हैं, रामचरितमानस का पाठ करते हैं और

भजन-कीर्तन के माध्यम से भगवान राम का गुणगान करते हैं। अयोध्या सहित अनेक स्थानों पर शोभायात्राएं निकाली जाती हैं, जो इस पर्व की भव्यता को और बढ़ा देती हैं।यह पर्व हमें केवल धार्मिक आस्था तक समाज के निर्माण की प्रेरणा भी देता है। रामराज्य की कल्पना—जहां न्याय, समानता और सुख-शांति हो—आज भी हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों का आधार बनी हुई है। राम नवमी हमें यह संदेश देती है कि सच्चाई, धैर्य और मर्यादा के मार्ग पर चलकर ही जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है।यदि हम भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन सुधरेगा, बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन आएगा। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में राम नवमी

केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली प्रेरणा भी है। यह दिन भगवान राम के जन्म का प्रतीक है, जिन्हें मर्यादा, पुरुषोत्तम कहा जाता है— अर्थात् मर्यादा, नैतिकता और आदर्श जीवन के सर्वोच्च उदाहरण। रामनवमी हमें सिखाती है कि जीवन केवल सफलता या सत्ता पाने का नाम नहीं है, बल्कि अपने कर्तव्यों और मूल्यों को निभाने का नाम है। भगवान राम ने हर परिस्थिति में सत्य, धर्म और कर्तव्य को सर्वोपरि रखा—चाहे वह वनवास हो, परिवार के प्रति जिम्मेदारी हो या प्रजा के प्रति कर्तव्य। आज की तेज रफ्तार ज़िंदगी में जहां स्वार्थ और प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, राम का जीवन संयम और संतुलन का संदेश देता है। उन्होंने क्रोध, अहंकार और लोभ पर नियंत्रण रखते हुए जीवन जिया—जो आज भी हर व्यक्ति के लिए मार्गदर्शक है।

खाड़ी देशों को क्षति पहुंचाने की ईरानी रणनीति

प्रभु चावला

इतिहास के सबसे बुद्धिमान स्वर हमेशा युद्ध के छिपे हुए जहर के बारे में चेतावनी देते रहे हैं। ‘युद्ध नरक है’, अमेरिकी जनरल विलियम शेरमन ने कभी कहा था, फिर भी नेतागण युद्ध की लपटों में महिमा तलाशते रहते हैं। आज पश्चिम एशिया के इस विनाशकारी संघर्ष में वे चेतावनियां सच प्रतीत होती हैं। वैसे तो यह युद्ध चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है, पर तीसरे सप्ताह में ही यह सच्चाई सामने आ चुकी थी कि तेहरान ने जानबूझकर इराइल के प्रति संयम और अपने अरब पड़ोसियों के प्रति आक्रामकता का रास्ता चुना है।

यह सुनियोजित रणनीति तेहरान के वास्तविक उद्देश्य को उजागर करती है। इराइल को बराबरी के हमलों से नुकसान पहुंचाने के बजाय ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर, कुवैत और बहरीन पर हजारों मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं। तेहरान की तरफ से मिसाइलों का केवल एक छोटा-सा हिस्सा ही इराइल को निशाना बनाकर छोड़ा गया है। यह स्पष्ट अंतर ईरान के वास्तविक रणनीतिक लक्ष्य पर गंभीर सवाल उठाता है। क्या वाकई ईरान के निशाने पर इराइल है? या उसका उद्देश्य उन सुन्नी अरब अर्थव्यवस्थाओं को कमजोर करना है, जो अमेरिका के क्षेत्रीय प्रभुत्व को बनाये रखती हैं? दशकों की प्रतिस्पर्धा से गहराये शिया-सुन्नी के विभाजन से इस चयन को समझा जा सकता है। सवाल यह भी है कि भारी नुकसान झेलने के बावजूद अरब देश सीधे जवाबी कार्रवाई से बचते क्यों रहे हैं। रमजान चूँकि समाप्त हो चुका है, ऐसे में, कुछ विश्लेषक यह अनुमान लगा रहे हैं कि अब अरब देशों की ओर से जवाबी हमला हो सकता है। इस युद्ध की शुरुआती कार्रवाई बेहद दमदार रही, जब अमेरिका और इराइल ने ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई और ईरान की राजनीतिक-सैन्य नेतृत्व संरचना को खत्म कर दिया। तब खामेनेई के दूसरे बेटे मोजतबा को सर्वोच्च नेता चुना गया। यह फैसला ईरान को उम्मीद से कहीं अधिक स्थिरता



प्रदान कर गया। ईरान के ‘ऑपरेशन टू प्रॉमिस ४’ के तहत अब तक ढाई सौ से तीन सौ बैलिस्टिक मिसाइलें और कम से कम डेढ़ सौ ड्रोन इराइल पर दागे गये हैं।

इराइल में नागरिक हताहतों की संख्या १८ से २४ के बीच है, और हमले तेल अवीव, हाइफा, बीत शेमेश, रामत गन, होलोन, डिमोना और आसपास के क्षेत्रों में दर्ज किये गये हैं। इराइल को हुई भौतिक क्षति सीमित और प्रतीकात्मक रही है। उसके सैन्य ठिकानों पर बहुत कम प्रभाव पड़ा और एयरबेस पूरी तरह सक्रिय हैं, जबकि खाड़ी क्षेत्र में स्थिति बिल्कुल अलग है। केवल संयुक्त अरब अमीरात पर ही मार्च के मध्य तक ३१४ बैलिस्टिक और १५ क़रूज मिसाइलें, १,६७२ ड्रोन दागे गये। कुवैत ने १२० से अधिक मिसाइलें और ३०८ ड्रोन दर्ज किये। कतर ने १२७ मिसाइलों और ६३ ड्रोन का सामना किया, और दो एसयू-२४ विमान दुर्घटनाएं भी हुईं। बहरीन पर १०५ मिसाइलें और १७६ ड्रोन दागे गये, सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों ने भी दर्जनों हमले झेले।

संघर्ष के शुरुआती चरण में ईरान के लगभग ६० प्रतिशत हथियार इराइल के बजाय अमेरिका के ठिकानों और खाड़ी के बुनियादी ढांचों को निशाना

बना रहे थे। जाहिर है, इस युद्ध में अब तक मानवीय और आर्थिक विनाश अरब दुनिया में कहीं अधिक गहरा रहा है। ईरानी ड्रोन और मिसाइलों ने बार-बार दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया, जो दुनिया का सबसे व्यस्त अंतरराष्ट्रीय केंद्र है। इससे ईंधन भंडार जल उठे, उड़ानें रद्द हुईं या उनके रूट बदले गये, और बड़े होटल और

ऊर्जा प्रतिष्ठान हमले की सीधी चपेट में आये। कतर की रस लाफान एलएनजी सुविधा को भारी नुकसान हुआ, सऊदी अरब की यनबू रिफाइनरी और कुवैत के कई प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया।

नतीजतन वैश्विक तेल कीमतें ११० डॉलर से ऊपर पहुंच गयीं। हालांकि ट्रंप की ताजा डिम्पणी के बाद कच्चे तेल के दाम कुछ कम हुए हैं। युद्ध के कारण पर्यटन क्षेत्र को, जो अमीरात और अन्य खाड़ी अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, रोज ५५ से ६५ करोड़ डॉलर का नुकसान हो रहा है, और वार्षिक क्षेत्रीय नुकसान ४० से ५६ अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। अमेरिकी ठिकानों वाले देशों पर हमला कर तेहरान इन पर असहनीय दबाव डालना चाहता है, ताकि वे वॉशिंगटन पर युद्ध रोकने का दबाव डालें।

यह रणनीति कोई संयोग नहीं, बल्कि एक स्पष्ट सिद्धांत है, जिसका उद्देश्य इराइल पर सीधी सैन्य श्रेष्ठता हासिल करने के बजाय अमेरिका के सुन्नी सहयोगियों को कमजोर कर युद्ध में अमेरिकी भागीदारी की लागत में वृद्धि करना है। यह स्थिति एक और गंभीर प्रश्न उठाती है। क्या ईरान का लक्ष्य केवल आर्थिक दबाव के जरिये अपने शासन को

बचाना है या इसमें सांप्रदायिक गणना भी शामिल है? ईरान क्षेत्र में प्रमुख शिया शक्ति है, जबकि खाड़ी देश मुख्यतः सुन्नी हैं। दशकों से ईरान इन देशों-खासतौर पर सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात-को वैचारिक और भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी मानता रहा है।

अब्राहम समझौतों के बाद इराइल से संबंध सामान्य करने वाले सुन्नी देशों की अर्थव्यवस्थाओं को निशाना बनाकर ईरान अमेरिकी असर को कमजोर करने के साथ-साथ खुद को व्यापक मुस्लिम समुदाय का रक्षक भी दिखाने की कोशिश कर रहा है। इस बीच अरब देशों का संयम भी ध्यान खींचता है। भारी नुकसान के बावजूद, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और अन्य देशों ने सीधे ईरान पर हमला नहीं किया है। इसके कारण हैं-अमेरिकी सुरक्षा पर निर्भरता, सीमित सैन्य रणनीति, और व्यापक युद्ध का खतरा। हालांकि इस बारे में कुछ कहना अटकल ही होगा। खाड़ी देशों का नेतृत्व इस पर सहमत है कि सिर्फ अमेरिका और इराइल ही तेहरान के खतरनाक इरादों पर अंकुश लगा सकते हैं।

वे देश अमेरिका-इराइल के इस अभियान में सहयोगी की भूमिका में होंगे, हालांकि उनकी अर्थव्यवस्थाओं को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। संयुक्त अरब अमीरात ने हालांकि अब स्पष्ट चेतावनी दी है। सऊदी अरबजादे मोहम्मद बिन सलमान के साथ मिलकर शहीदात के नेतृत्व के बिना है कि लगातार हमले क्षेत्रीय युद्ध को जन्म दे सकते हैं। यदि ईरान नहीं रुका, तो जवाबी कार्रवाई संभव है। यह रणनीति खतरनाक है। इससे संभावित अरब समर्थन खत्म हो सकता है और अंतरराष्ट्रीय अलगाव बढ़ सकता है। जैसे-जैसे खाड़ी देशों का आर्थिक नुकसान बढ़ रहा है, तेहरान केवल अपने विरोधियों को ही नहीं, वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को भी नुकसान पहुंचा रहा है। जो अंततः उसी को सहारा देती है। युद्ध कभी भी पहलवान बचाने का साधन नहीं होता। यह अंततः उसे निगल जाने वाला हथियार बन जाता है

आज का इतिहास

- १९५८ निकिता ख़श्चेव जोसेफ स्टालिन की मृत्यु के बाद सोवियत संघ के प्रमुख बने ।
- १९६४ अलास्का में ८.४ की तीव्रता वाले भूकंप से ११८ लोगों की मौत हुई।
- १९७५ ट्रांस-अलास्का पाइपलाइन सिस्टम का निर्माण, अलास्का की लंबाई में फैले एक तेलपिपलीन का निर्माण शुरू हुआ।
- १९७६ वाशिंगटन मेट्रो, अमेरिका में दूसरा सबसे व्यस्त रिपेड ट्रांजिट सिस्टम, यात्रियों के लिए खोला गया।
- १९७७ टेनेरीफ़ में दो जंबो विमान हवाई पट्टी पर टकराने से दुनिया की सबसे भयानक विमान दुर्घटना हुई थी, जिसमें ५८३ लोग मारे गए।
- १९८० नेल्सन बंकर हंट और उनके भाई ने दुनिया के बाजार को चांदी में बदलने के अपने प्रयास में विफल रहे, जिससे कमोडिटी और वायदा एक्सचेंजों में घबराहट हुई।
- १९८१ पोलैंड में सॉलिडैरिटी आंदोलन ने एक चेतावनी हड़ताल का आयोजन किया, पूर्वी ब्लॉक के इतिहास में सबसे बड़ी हड़ताल, जिसमें कम से कम १२ मिलियन पोल ने चार घंटे तक अपनी नौकरी छोड़ दी।
- १९८२ ए.एफ.एम.ए. चौधरी बांग्लादेश के राष्ट्रपति नियुक्त किए गए।
- १९८९ अंतरिक्ष में अमेरिका के मिसाइल रोधी उपग्रह का परीक्षण विफल हुआ।
- १९९३ जियांग ज़ेमिन यांग शांगकून के पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के राष्ट्रपति बनने में सफल रहे।
- १९९४ टीवी टाइकून सिल्वियो बर्लुस्कोनी के दाएं विंग गठबंधन ने इटली आम चुनाव जीता।
- १९९४ पीडमॉंट अल्बामा एक बवंडर का सामना करता है जिसमें एक चर्च दह गया और १९ लोग मारे गए।
- १९९६ न्यूयॉर्क शहर का संगीत बैंक्स थियेटर राज्य मेला खोलता है। यह ११८ प्रदर्शनों के लिए खुला है।
- १९९७ कैलिफोर्निया में सामूहिक आत्महत्या, ३९ पंथ सदस्यों ने सामूहिक आत्महत्या की।
- २००२ एक आत्मघाती हमलावर ने दो दिन बाद वेस्ट बैंक में बड़े पैमाने पर आतंकवाद-रोधी इजरायल के सैन्य अभियान को शुरू करते हुए नेतन्या के पार्क होटल में लगभग ३० इजरायली नागरिकों और १४० लोगों को मार डाला।
- २००८ अंतरिक्ष यान एंडेवर पृथ्वी पर सफलतापूर्वक सुरक्षित लौटा।
- २००९ टोंगेरगां बोस्टन में सीटू जेंटुंग डान की विफलता के कारण फ्लैश ब्लास्टन होता है। इंडोनेशिया। फ्लैश ब्लाडिंग के दौरान कम से कम ९९ लोग मारे जाते हैं।

भारतीय राजनीति में अविजित नेतृत्वकर्ता योद्धा हैं नरेंद्र मोदी

मनोज कुमार अग्रवाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तपस्थली से तप कर निकले नरेन्द्र मोदी भारत की राजनीति में सबसे कुशल अपराजेय नेतृत्वकर्ता हैं वह अपने विरोधियों यहां तक की अपनी पार्टी और सहयोगी दलों के प्रतिस्पर्धियों की तमाम चालों की काट कर अपनी नेतृत्व क्षमता के बूते पर अपरिमित दक्षता भी रखते हैं इस मामले में उनका कोई सानी नहीं है यह हम नहीं रिकार्ड बयान कर रहे हैं।

तमाम आलोचनाओं और विरोधियों के जबरदस्त साजिशो प्रहार के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐसी शख्सियत बन कर उभरे है जो धरातल पर अपनी अद्वितीय नेतृत्व क्षमता के बूते पर अपना अलग अमूठा व्यक्तित्व रखते हैं उन्होंने किसी भी राजनीतिक नेता के सरकार के लम्बे समय तक नेतृत्व करने के रिकार्ड को तोड़ दिया है। भारत की राजनीति में एक नया इतिहास रचते हुए पीएम नरेंद्र मोदी अब देश के सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग को पीछे छोड़ दिया है। गुजरात के मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक उनका सफर लगातार जीत, मजबूत नेतृत्व और राजनीतिक स्थिरता की मिसाल बनकर उभरा है। भारतीय राजनीति में बीता रविबार 22 मार्च विशेष दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एक ऐसा रिकॉर्ड

तोड़ा जो दशकों से किसी और के नाम था। सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग ने लगातार 8,930 दिनों तक किसी सरकार का नेतृत्व किया था। यह भारत में किसी भी सरकार के मुखिया का अब तक का सबसे लंबा कार्यकाल था।

बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी ने 7 अक्तूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। वह लंबे समय तक इस पद पर बने रहे और अपने कार्यकाल में कभी चुनाव नहीं हारे। साल 2014 में प्रधानमंत्री पद के लिए नाम सामने आने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। गुजरात के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने 2014 में लोकसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर प्रधानमंत्री पद संभाला। इसके बाद 2019 और 2024 में भी उन्होंने लगातार जीत दर्ज की। खास बात यह है कि अपने पूरे राजनीतिक करियर में उन्होंने अब तक कोई बड़ा चुनाव नहीं हारा है।

गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर। 2001 से 2014 तक करीब 13 साल तक वो गुजरात की सत्ता संभालते रहे। इस दौरान गुजरात के विकास मॉडल की चर्चा पूरे देश में होती थी। 2014 में जब वो पहली बार देश के प्रधानमंत्री बने। तब से आज तक लगातार। इन दोनों कार्यकालों को जोड़ने पर यह अंकड़ 8,931 दिन बनता है।

सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार



चामलिंग अब पद पर 8930 दिनों के साथ दूसरे स्थान पर है। चामलिंग ने सिक्किम की लगातार 24 साल और 165 दिनों तक सेवा की। इससे वे ना सिर्फ भारत में बल्कि विश्व स्तर पर सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्रियों में से एक बन गए।

इसी कड़ी में तीसरा स्थान ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के पास है। उन्होंने 2000 से 2024 तक राज्य पर शासन किया। उन्होंने लगभग 24 साल और 99 दिनों का कार्यकाल पूरा किया। पटनायक के लंबे शासन की पहचान राजनीतिक स्थिरता और लगातार चुनावी जीत रही है। इसने उन्हें भारत के सबसे लंबे समय तक टिके रहने वाले नेताओं में से एक बनाए रखा।

आपको बता दें इस रैंकिंग को जो बात खास रूप से दिलचस्प बनाती है वह यह है कि इसमें मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री दोनों के रूप

में बिताए गए समय को जोड़ा गया है। जिन नेताओं ने सिर्फ प्रधानमंत्री के रूप में सेवा की जैसे कि जवाहरलाल नेहरू, वे इस खास गणना के तहत शीर्ष तीन में शामिल नहीं हैं। भले ही उनका कार्यकाल लंबा रहा हो।

यह भी बता दें कि वरिष्ठ नेता ज्योति बसु ने

23 सालों से ज्यादा समय तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में काम किया है। वे इस लिस्ट से बाहर हैं। लेकिन उनका कार्यकाल भारतीय इतिहास में किसी एक पद पर सबसे लंबे समय तक नेतृत्व करने वाले कार्यकालों में से एक है

प्रधानमंत्री मोदी का यह रिकॉर्ड अकेला नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के नाम और भी कई उपलब्धियां हैं। गुजरात के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री किसी और मुख्यमंत्री ने गुजरात में इतना लंबा कार्यकाल नहीं किया।

आपको पता है कि किसी भी प्रधानमंत्री की तुलना में मोदी सबसे ज्यादा अनुभव लेकर दिल्ली पहुंचे थे।

आजादी के बाद पैदा हुए पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म 1950 में हुआ। वो पहले प्रधानमंत्री हैं जो आजाद भारत में पैदा हुए। तीन बार लगातार जीत – 2014, 2019 और

2024 तीनों लोकसभा चुनावों में जनता ने उन्हें चुना।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। उन्होंने लिखा, नरेंद्र मोदी का पूरा जीवन देश और देशवासियों की सेवा को समर्पित रहा है। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधामंत्री तक यह यात्रा सेवा, ईमानदारी और देश को सबसे पहले रखने की यात्रा है।

एक रिपोर्ट के के मुताबिक पीएम मोदी ने अपने सफर को याद करते हुए बताया कि जब उन्होंने 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में काम शुरू किया, तब राज्य कई बड़ी मुश्किलों से गुजर रहा था। गुजरात भूकंप, चक्रवात, सूखा और राजनीतिक अस्थिरता जैसी समस्याओं से जूझ रहा था। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों ने उन्हें और मजबूत बनाया और उन्होंने राज्य को आगे बढ़ाने के लिए पूरी ताकत लगा दी। उन्होंने अपनी मां की एक सीख का भी जिक्र किया, गरीबों के लिए काम करना और कभी रिश्तत न लेना, जैसी सीख को उन्होंने अपने जीवन का मार्गदर्शन बताया।

पीएम मोदी के अनुसार, उनके कार्यकाल में गुजरात ने कृषि, उद्योग और इंफ्रास्ट्रक्चर में काफी तरक्की की और एक मजबूत राज्य के रूप में उभरा। उन्होंने यह भी कहा कि 2014 में जब उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार

बनाया गया, तब देश में भरोसे का संकट था, लेकिन जनता ने उन्हें मजबूत समर्थन दिया (पीएम मोदी ने दावा किया कि पिछले 11 वर्षों में 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं और भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में एक मजबूत देश बनकर उभरा है। पीएम मोदी ने महिलाओं (नारी शक्ति), युवाओं और किसानों के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि देश की सेवा करना उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने विकासित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और लंबे सार्वजनिक जीवन की जमकर सराहना की है। अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी की दक्षता की सेवा ने भारत में एक नया दौर शुरू किया है। उन्होंने गरीबों को अधिकार दिलाने, विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और दुनिया में भारत की छवि मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है।उन्होंने यह भी कहा कि नए भारत के निर्माण के लिए पीएम मोदी ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया है और पिछले 24 साल से अधिक समय से बिना छुट्टी लिए देश की सेवा कर रहे हैं। अमित शाह ने बताया कि पीएम मोदी को जनता का अपार प्यार और समर्थन मिला है। वास्तव में नरेन्द्र मोदी एक बिरले व्यक्तित्व है यह बात उनके विरोधी भी दबी जुबान से स्वीकार करते हैं।

पश्चिमी मोर्चे पर घिरा पाकिस्तान

केएस तोमर

आज पाकिस्तान अपने हालिया इतिहास के सबसे जटिल रणनीतिक क्षणों में से एक से गुजर रहा है। उसके पश्चिम पड़ोस में हो रहे घटनाक्रमों, विशेष रूप से ईरान के आसपास की उथल-पुथल और अफगानिस्तान में तालिबान शासन के साथ तेजी से बिगड़ते संबंध, ने ऐसा भू-राजनीतिक दबाव पैदा कर दिया है, जिसे वह न तो अनदेखा कर सकता है और न ही आसानी से संभाल सकता है। पाकिस्तान खुद को अनिश्चितता, आतंकी प्रतिक्रिया और भू-राजनीतिक जोखिमों से घिरा हुआ पाता है, जो आने वाले वर्षों में उसके सुरक्षा परिदृश्य को पूरी तरह बदल सकते हैं। पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा शायद ही कभी शांत रही हो, लेकिन मौजूदा हालात असामान्य रूप से पेचीदा हैं। ईरान महज एक पड़ोसी नहीं है, बल्कि एक अहम भू-राजनीतिक और आर्थिक साझेदार भी है। दोनों देशों की सीमा बलूचिस्तान के दुर्गम इलाके से गुजरती है, जो लंबे समय से अस्थिर रहा है। ईरान में उथल-पुथल से सीमा पार सक्रिय अलगाववादी नेटवर्क के मजबूत होने और अशांत प्रांत बलूचिस्तान में सुरक्षा हालात के और पेचीदा होने का खतरा है। इसके अलावा, पाकिस्तान लंबे समय से ऊर्जा की कमी से भी जूझ रहा है, इसलिए ईरानी गैस उसके लिए आकर्षक विकल्प रही है। ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन प्रतिबंधों और राजनीतिक दबावों के कारण रुकी हुई है। अगर ईरान में अस्थिरता बढ़ती है, तो इस परियोजना में और अधिक देरी हो सकती है या यह पूरी तरह रुक सकती है, जिससे पाकिस्तान की आर्थिक कमजोरियां और बढ़ जाएंगी। इसके अलावा, ईरान के बाहर, शिया आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा पाकिस्तान में ही रहता है। ईरान से जुड़ा कोई भी संघर्ष पाकिस्तान के भीतर सांप्रदायिक तनाव भड़का सकता है। इसलिए, ईरान में होने वाली उथल-पुथल का असर पाकिस्तान में बहुत जल्द महसूस किया जा सकता है। इसके अलावा, अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के साथ पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव भी एक अन्य समस्या

है। पाकिस्तान का मानना ​​था कि कानुल में एक दोस्ताना शासन होने से अफगानी जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ नहीं होगा और वहां भारत का प्रभाव सीमित रहेगा। पर 2021 में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद दोनों के रिस्ते धीरे-धीरे खराब होते चले गए। सबसे बड़ा विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की मौजूदगी को लेकर है, जिसने पाकिस्तान में कई हमलों को अंजाम दिया है। यह तनाव समय-समय पर खुलकर टकराव में बदलता रहा है। अफगान सीमा के पार कथित उग्रवादी ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए 2पाकिस्तानी हवाई हमलों और तालिबान नेताओं की जवाबी कार्रवाई ने दोनों के रिश्तों को खतरनाक मोड़ पर पहुंचा दिया है। ड्रंग्ड रेखा विवाद इस स्थिति को और जटिल बना देता है। इसके बावजूद, इस्लामाबाद के कुछ रणनीतिकारों को क्षेत्रीय उथल-पुथल से कुछ सीमित अवसर उभरते हुए दिखाई दे रहे हैं। यदि ईरान बाहरी दबावों में उलझ जाता है, तो हो सकता है कि बलूच सीमा पर पाकिस्तान को ईरान की तरफ से कम निगरानी का सामना करना पड़े। इसी तरह, अफगानिस्तान का गहरा आर्थिक संकट अंततः तालिबान नेतृत्व को इस्लामाबाद के साथ सुरक्षा व्यवस्था पर वार्ता के लिए मजबूर कर सकता है, खासकर तब, जब उन्हें व्यापारिक पहुंच या वित्तीय सहयोग की आवश्यकता हो। लेकिन ये केवल अनुमान हैं। असल में, जोखिम अवसरों पर भारी पड़ रहे हैं। पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर चल रही मुश्किलें उसके सैन्य व खुफिया संसाधनों पर दबाव डालती हैं, जिससे उसकी पूर्वी सीमा पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता कम हो जाती है। फिर भी, भारत यह मानकर नहीं चल सकता कि पाकिस्तान के पड़ोस में अस्थिरता उसके लिए रणनीतिक लाभ बन जाएगी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ती अस्थिरता से उग्रवादी संगठनों की गतिविधियां पूरे क्षेत्र में फैल सकती हैं। कट्टरपंथी नेटवर्क मजबूत हो सकते हैं, जिससे पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा स्थिति और जटिल हो सकती है। इसलिए, भारत इन घटनाक्रमों को सावधानी से देखता है।

जयंत घोषाल

चालीस साल के ज्यादा समय से पश्चिम बंगाल की चुनावी राजनीति को मैं बहुत नजदीक से देख रहा हूं। लेकिन कभी मैंने ऐसा चुनाव नहीं देखा, जैसा इस बार दिख रहा है। पश्चिम बंगाल की सत्ता में ममता बनर्जी की सरकार के 15 साल पूरे हो रहे हैं। हर शासक दल के लिए एंटी इनकंबेंसी स्वाभाविक है। अलबता पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल करने के लिए भाजपा ने इस बार जो आक्रामक रणनीति अपनायी है, वह अभूतपूर्व है।

वर्ष 2021 की तुलना में इस चुनाव में उसका रणकोशल पूरी तरह अलग है। पश्चिम बंगाल का चुनावी नतीजा क्या होगा, यह बताना मेरा काम नहीं, मैं ज्योतिषी नहीं हूं। लेकिन राजनीतिक विश्लेषण के आधार पर यह कह सकता हूं कि ममता बनर्जी इस बार भीषण राजनीतिक दबाव में है। भाजपा की आक्रामक रणनीति को वह साजिश बता रही हैं, जबकि भाजपा साम, दाम, दंड, भेद की कौटिल्य नीति कहकर अपनी रणनीति का औचित्य उठरा रही है।

पश्चिम बंगाल के बांग्ला मीडिया से लंबे समय से जुड़े होने के बावजूद मैं हमेशा दिल्ली में ही रहा और एक पत्रकार के तौर पर मेरा प्रमुख बीट भाजपा रहा। वाजपेयी-आडवाणी से लेकर नरेंद्र मोदी और अमित शाह तक दिल्ली में भाजपा के रूपांतरण का मैं गवाह हूं। पश्चिम बंगाल के आम लोग ही नहीं, राजनेता भी कहते हैं कि भाजपा बंगाली अस्मिता, बांग्ला डीएनए को नहीं समझती। राष्ट्रीय स्तर पर वह हिंदुत्व की जो राजनीति करती है, वहीं मॉडल वह पश्चिम बंगाल में ही अपना रही है।

बंगाल में ध्रुवीकरण के जरिये लाभ उठाने की कोशिश उसकी इसी सोच के बारे में बताती है। पश्चिम बंगाल के राजनेता यह भी मानते हैं कि बंगाल की अस्मिता को न समझ पाने के कारण ही भाजपा अभी तक वहां विफल रही है। एक हद तक यह सही भी है। पश्चिम बंगाल में जीत के लिए भाजपा को पैन इंडियन मॉडल के बजाय बांग्ला मॉडल अपनाना चाहिए। लेकिन अपने सतत परिश्रम के बल पर उसे भी राष्ट्रीय स्तर पर आज जो ताकत हासिल की है, उसे भी समझना होगा।

भाजपा एक ऐसी पार्टी है, जो हारने के बाद भी लगातार काम करती है। ऐसा मैंने पहले भी देखा था, आज

पढ़ेगा।

वाशिंगटन का लक्ष्य इस शासन को चुनिंदा तरीके से कमजोर करना है। इसके लिए वह अहम मुद्दों (जैसे परमाणु संवर्धन, बैलिस्टिक मिसाइल का विकास और प्रॉक्सी गतिविधियां) पर अपनी बात मनवाने के लिए उतना ही दबाव डालता है, जिससे शासन पूरी तरह से व्ह न जाए, क्योंकि ऐसा होने से पूरे क्षेत्र में अस्थिरता फैल सकती है। इसके लिए वाशिंगटन को अपने हमलों की गति और तीव्रता के बीच संतुलन बिठाना पड़ता है, ताकि एक तरफ तो शासन कमजोर हो, पर दूसरी तरफ उच्चको संरक्षणत एकजुटता भी इतनी बनी रहे कि वह बातचीत करने या कूटनीतिक दबाव में आकर झुकने की स्थिति में बना रहे। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ अपनी छली फुलाकर ताकत का बखान करते हैं कि उन्होंने ईरान में कितने ठिकानों को उड़ा दिया। पर, अगर अमेरिका इतना ही ताकतवर है, तो ट्रंप प्रशासन तेल की कीमतों में आए उस भारी उछाल से इतना हैरान क्यों था, जो ईरान द्वारा फारस की खाड़ी में जहाजों पर और पड़ोसी अरब देशों के तेल ठिकानों पर हमले के कारण पैदा हुआ था? कीमतों में इस उछाल से ट्रंप पर भारी दबाव पड़ रहा है, क्योंकि जिस हाइपर-कनेक्टेड दुनिया में हम रहते हैं, वहां एक कमजोर ईरान को होर्मुज् जलडमरूमध्य से गुजरने वाले तेल की आपूर्ति रोकने के लिए किसी सब्जी के ट्रक के पीछे से दिन में बस एक ड्रोन लॉन्च करने की जरूरत होती है और ऐसा होते ही दुनिया भर में तेल, गैस और खाद की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। इस युद्ध में अब तक कई अग्रिय आश्रय देखने को मिले हैं। क्या कोई सुखद आश्रय भी हो सकता है? यदि इस वैश्विक नाटक का कोई स्थायी और सुखद अंत होना है, तो वह इसलिए नहीं होगा कि ट्रंप और नेतय्याहू ने हमास, हिजबुल्ला और ईरान के हर नेता को मार गिराया है, या उनसे उनकी हर गोली, मिसाइल और ड्रोन छीन लिया है। असल में, इसकी वजह यह हो सकती है कि उन्होंने बंदूकों वाले इन सख्त लोगों को इतना कमजोर कर दिया कि गाजा, लेबनान और ईरान में असली राजनीति की गुंजाइश पैदा हो सकती है।

ब्रिक्स के विस्तार ने बढ़ाई भारत की ताकत

नीरज कुमार दुवे

ब्रिक्स के विस्तार ने वैश्विक शक्ति संतुलन की बिसात पर ऐसा दांव चला है, जिसने पश्चिमी प्रभुत्व को खुली चुनौती दे दी है। भारत के लिए यह उभरती विश्व व्यवस्था में अपनी निर्णायक भूमिका दर्ज कराने का सुनहरा अवसर बन चुका है। आज जब दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर तेजी से बढ़ रही है, तब ब्रिक्स का विस्तार भारत की सामरिक ताकत को कई गुना बढ़ाने वाला कारक बनकर सामने आया है। पहले ब्रिक्स पांच देशों का समूह था, जिसकी कुल वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी लगभग 31 प्रतिशत के आसपास थी। लेकिन विस्तार के बाद इसमें नए सदस्य जुड़ने से यह आंकड़ा लगभग 37 से 40 प्रतिशत तक पहुंच गया है। जनसंख्या के लिहाज से भी यह समूह अब दुनिया की लगभग 45 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। इसका सीधा अर्थ है कि भारत अब ऐसे मंच का प्रमुख स्तंभ है जो आर्थिक, जनसंख्या और संसाधनों के मामले में पश्चिमी देशों को बराबरी की टक्कर दे सकता है। भारत के लिए सबसे बड़ा सामरिक लाभ यह है कि ब्रिक्स के जरिए वह डॉलर आधारित वैश्विक वित्तीय व्यवस्था के विकल्प को मजबूत करने में भूमिका निभा सकता है। न्यू डेवलपमेंट बैंक जैसी संस्थाएं पहले ही पश्चिमी वित्तीय संस्थानों के एकाधिकार को चुनौती दे रही हैं। यदि स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा मिलता है, तो भारत को विदेशी मुद्रा दबाव से राहत मिलेगी और उसकी आर्थिक संप्रभुता मजबूत होगी। पश्चिम एशिया और अफ्रीका के कई नए सदस्य देशों के जुड़ने से भारत की पहुंच ऊर्जा संसाधनों, समुद्री मार्गों और रणनीतिक क्षेत्रों तक बढ़ेगी। यह वही क्षेत्र हैं जहां अब तक चीन अपनी पकड़ मजबूत करता रहा है। ब्रिक्स के भीतर सक्रिय भूमिका निभाकर भारत इस प्रभाव को संतुलित कर सकता है और खुद को एक भरोसेमंद शक्ति के रूप

में स्थापित कर सकता है। अब सवाल उठता है कि इस वर्ष भारत में प्रस्तावित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन क्या मौजूदा वैश्विक तनावों के बीच संभव हो पाएगा? देखा जाये तो पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, रूस और पश्चिम के बीच टकराव, और अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा ने वैश्विक माहौल को बेहद जटिल बना दिया है। लेकिन इतिहास बताता है कि संकट के दौर में ही ऐसे मंचों की अहमियत बढ़ जाती है। संभावना यही है कि सम्मेलन आयोजित होगा। वैसे असल चुनौती यह नहीं है कि सम्मेलन होगा या नहीं, बल्कि यह है कि क्या सदस्य देश एक साझा एजेंडा पर सहमत हो पाएंगे? उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स के भीतर भी मतभेद हैं। चीन और भारत के बीच सीमा विवाद, रूस और पश्चिम के बीच युद्ध एवं पश्चिम एशिया के देशों के संघर्ष इस मंच की एकता की परीक्षा ले रहे हैं। फिर भी, आर्थिक हित और वैश्विक संतुलन की जरूरत इन देशों को एक साथ बैठने के लिए मजबूर करती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट ने ब्रिक्स की प्रासंगिकता को और बढ़ा दिया है। जहां पश्चिमी देश अक्सर पक्षपातपूर्ण रुख अपनाते दिखते हैं, वहीं ब्रिक्स एक संतुलित और बहुधुक्षीय समाधान की बात करता है। भारत, जो खुद को ग्लोबल साउथ की आवाज के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, वह इस मंच के जरिए शांति पहल को निश्चित रूप से आगे बढ़ा सकता है। वर्तमान वैश्विक संकटों के संदर्भ में भी देखें तो समाधान की दिशा में ब्रिक्स के आध्यक्ष के रूप में भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। भारत पहले ही यह स्पष्ट कर चुका है कि वह संवाद, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान के आधार पर समाधान चाहता है। भारत यदि मध्यस्थ की भूमिका निभाता है, तो वह न केवल अपनी वैश्विक छवि को मजबूत करेगा बल्कि ब्रिक्स को भी एक प्रभावी संकट समाधान मंच के रूप में स्थापित कर सकता है।



मैंने बहुत पहले ही सीख लिया था कि दुनिया के किसी भी देश के लिए यह कभी भी अच्छा विचार नहीं होता कि वह अपने दुश्मन की गरिमा को इस हद तक छीन ले कि उसे लगने लगे कि अगर उसका पास खाने के लिए कुछ भी नहीं बचा है। अक्सर यही बात बाद में आपको ही भारी पड़ जाती है। वर्षों से मैं देखता आ रहा हूं कि वेस्ट बैंक में इस्हाइली बांशिंदे धीरे-धीरे फलस्तीनियों का 'मिल्कशेक' पीते जा रहे हैं, और उनके लिए वहां फलस्तीनी राज्य बनने की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ रहे हैं। यह नीति इस्हाइल को ही भारी पड़ेगी, और लंबे समय में उसके सामने केवल दो ही रास्ते बचेंगे-या तो वह एक 'द्वि-राष्ट्रीय राज्य' बने, न कि एक 'यहूदी राज्य' या फिर एक 'रंगभेद वाला राज्य' बने, न कि एक 'लोकतांत्रिक राज्य'। इस्हाइल लेबनान में हिजबुल्ला के नेतृत्व और ईरान में इस्लामी शासन को खत्म करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन अगर इस प्रक्रिया में, जिसमें इस्हाइल हर बड़े नेता को हमेशा के लिए खत्म करने की कोशिश कर रहा है, वह लेबनान के बड़े इलाकों को तबाह करके उन पर कब्जा भी कर लेता है और ईरान की तैल अर्थव्यवस्था को भी बर्बाद कर देता है, ठीक वैसे ही, जैसे उसने गाजा को तबाह किया था, तो वह दो काम कर चुका होगा। पहला, वह उहाँ स्थानीय लोगों को अपने खिलाफ कर देगा, जिन्हें वह हिजबुल्ला और इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ खड़ा करना चाहता था।

दूसरा, वह उनके देशों को ऐसी आर्थिक बदहाली में छोड़ देगा कि कोई भी उन पर शासन नहीं कर पाएगा। इसलिए, इस्हाइल की लेबनान में हमेशा के लिए रहना



भगवान श्रीराम का जन्म कर्क लग्न और अभिजीत मुहूर्त में मध्यान्ह 12 बजे हुआ था। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान के निदेशक भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि राम नवमी इस साल 26 मार्च को मनाई जाएगी। वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि का आरंभ 26 मार्च को सुबह 11:48 मिनट पर होगा। नवमी तिथि का समापन 27 मार्च 2026 को सुबह 10:06 मिनट पर होगा। शास्त्रों के अनुसार भगवान राम का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को दोपहर में हुआ था। 26 मार्च को नवमी तिथि प्रातः 11:48 मिनट से शुरू हो रही है। इसीलिए राम नवमी का पर्व 26 मार्च को मनाया जाएगा । रामनवमी के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। जिससे इस दिन किए जाने वाले सभी शुभ कार्य सिद्ध होंगे। इसके अलावा, इस दिन रवि योग का निर्माण हो रहा है।

हिंदू कैलेंडर के मुताबिक चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 26 मार्च को रामनवमी मनाई जाएगी। इस दिन पूरे देश में धूमधाम से राम जन्मोत्सव मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन ही मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्म राजा दशरथ के घर पर हुआ था। इस दिन प्रभु श्रीराम की विधि-विधान के साथ

सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग में मनाई जाएगी रामनवमी

पूजा-अर्चना की जाती है।

श्री राम नवमी:

श्रीराम का जन्म मध्याह्न व्यापिनी चैत्रशुक्ल नवमी को पुनर्वसु नक्षत्र में हुआ था, अतः मध्याह्न व्यापिनी चैत्र शुक्ल नवमी को ही यह पर्व मनाया जाता है। पुनर्वसु युक्त मध्याह्न व्यापिनी नवमी में यह व्रत किया जाता है, परन्तु पुनर्वसु नक्षत्र इसमें निर्णायक नहीं है।

चैत्रशुक्ल नवमी रामनवमी। अस्यां मध्याह्नव्यापिन्यामुपोषणं कार्यम् ॥ पूर्वयुगेव मध्याह्ने सत्त्वे सेव ग्राह्या॥ शुद्धाया नवम्यां अलाभे मुहूर्तत्रयन्यूनत्वे वा सर्वैरप्यष्टमी विद्वैवोपोष्येत्याहुः ॥ इदं व्रतं नित्यं काव्यं च ॥ – धर्मसिन्धु

26 मार्च 2026 को मध्याह्न के समय नवमी आर्द्रा नक्षत्र से युक्त है। अतः यह व्रत इसी दिन किया जायेगा, इसमें पुनर्वसु नक्षत्र को निर्णायक नहीं माना गया है। 27 मार्च 2026 को नवमी मध्याह्नकाल को स्पर्श भी नहीं कर रही है। मध्याह्न काल 26 मार्च को लगभग 11:21 से दोपहर 01:46 तक रहेगा। अतः 26 मार्च 2026 को ही श्रीराम नवमी का व्रत किया जायेगा।

राम नवमी शुभ मुहूर्त

भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि का आरंभ 26 मार्च को सुबह 11:48 मिनट पर होगा। नवमी तिथि का समापन 27 मार्च 2026 को सुबह 10:06 मिनट पर होगा। शास्त्रों के अनुसार भगवान राम का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को दोपहर में हुआ था। इसीलिए राम नवमी का पर्व 26 मार्च को मनाया जाएगा ।

राम नवमी पूजा समय

मध्याह्न काल 26 मार्च को लगभग 11:21 से दोपहर 01:46 तक रहेगा। मध्याह्न समय में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पूजा कर सकते हैं।

शुभ योग

कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि रामनवमी के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। जिससे इस दिन किए जाने वाले सभी शुभ कार्य सिद्ध होंगे। इसके अलावा, इस दिन रवि योग का निर्माण हो रहा है। जिसके अनुसार पूजा-अर्चना से आरोग्यता, स्वास्थ्य और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होगी। इस अवसर पर शिववास योग का भी संयोग बन रहा है। जिससे साधकों पर भगवान श्रीराम और शिव की विशेष कृपा बरसेगी। रवि योग में सभी प्रकार के दोषों से मुक्ति मिलती है।

अनुष्ठान

सर्वार्थ सिद्धि योग में कोई भी जाप, अनुष्ठान कई गुना अधिक फल प्रदान करता है। विशेष मनोकामना पूर्ति के लिए यह अहम है। मकान, वाहन, सोने चांदी के जेवरात की खरीदारी, मुंडन, गृहप्रवेश



आदि विशेष मांगलिक कार्य किए जाते हैं।

पूजा विधि

इस पावन दिन शुभ जल्दी उठ कर स्नान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र पहन लें। अपने घर के मंदिर में दीप प्रज्वलित करें। घर के मंदिर में देवी- देवताओं को स्नान कराने के बाद साफ स्वच्छ वस्त्र पहनाएं। भगवान राम की प्रतिमा या तस्वीर पर तुलसी का पत्ता और फूल अर्पित करें।

भगवान को फल भी अर्पित करें। अगर आप व्रत कर सकते हैं, तो इस दिन व्रत भी रखें। भगवान को अपनी इच्छानुसार सात्विक चीजों का भोग लगाएं। इस पावन दिन भगवान राम की आरती भी अवश्य करें। आप रामचरितमानस, रामायण, श्री राम स्तुति और रामरक्षास्तोत्र का पाठ भी कर सकते हैं। भगवान के नाम का जप करने का बहुत अधिक महत्व होता है। आप श्री राम जय राम जय जय राम या सिया राम जय राम जय जय राम का जप भी कर सकते हैं। राम नाम के जप में कोई विशेष नियम नहीं होता है, आप कहीं भी कभी भी राम नाम का जप कर सकते हैं।

हवन सामग्री

आम की लकड़ी, आम के पत्ते, पीपल का तना, छाल, बेल, नीम, गूलर की छाल, चंदन की लकड़ी, अश्वगंधा, मुलेठी की जड़, कपूर, तिल, चावल, लौंग, गाय की घी, इलायची, शक्कर, नवग्रह की लकड़ी, पंचमेवा, जटाधारी नारियल, गोला और जौ आदि हवन में प्रयोग होने वाली सभी सामग्री जुटाएं।

हवन विधि

हवन पर बैठने वाले व्यक्ति को रामनवमी के दिन प्रातः जल्दी उठना चाहिए। शौच आदि से निवृत्त होकर स्नान करने के बाद

स्वच्छ कपड़े धारण करने चाहिए। वैदिक शास्त्रों में ऐसा लिखा है कि यदि हवन पति-पत्नी साथ में करें तो उसका विशेष फल प्राप्त होता है। सबसे पहले किसी स्वच्छ स्थान पर हवन कुंड का निर्माण करें। हवन कुंड में आम लकड़ी और कपूर से अग्नि प्रज्वलित करें। इसके बाद हवन कुंड में ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डयै विच्चे नमः का जाप करते हुए घी से माता के नाम की आहुति दें। इसी के साथ अन्य देवी-देवताओं के नाम की आहुति दें। इसके बाद संपूर्ण हवन सामग्री से 108 बार हवन सामग्री को आहुति दें।

हवन के बाद करें यह कार्य

हवन के बाद माता जी की आरती करें। इसके बाद माता को खीर, हलवा, पुड़ी और चने का भोग लगाएं। कन्याओं को भी भोजन कराएं। प्रसाद बांटें। उन्हें दक्षिणा भी दें।

राम नवमी का महत्व

राम नवमी का दिन भक्तों के लिए बहुत महत्व रखता है क्योंकि यह दिन भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन विष्णु जी के अवतार प्रभु श्री राम की पूजा करने से उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। भक्तों के जीवन से सभी कष्ट कट जाते हैं। इसके अलावा इस दिन नवरात्रि का समापन भी होता है, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस दिन को महानवमी कहते हैं। इस दिन पूजा अर्चना करने से राम जी के साथ आदिशक्ति मां जगदम्बा की कृपा भी प्राप्त होती है।



डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

नवरात्रि में कन्या पूजन से मिलेगी परेशानियों से मुक्ति

चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होता है। इस साल इस बार चैत्र नवरात्रि 19 मार्च 2026 से प्रारंभ हो रहे हैं, जिसका समापन 27 मार्च होगा। चैत्र नवरात्रि की धूम पूरे देश में है। माता की भक्ति में लीन भक्तों को आम अष्टमी और नवमी का इंतजार है। चैत्र नवरात्रि की अष्टमी और रामनवमी 26 मार्च को मनाई जाएगी। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि चैत्र नवरात्र 19 मार्च से शुरू हो गई है। वहीं इसका समापन 27 मार्च को होगा। चैत्र नवरात्रि की अष्टमी और रामनवमी 26 मार्च को मनाई जाएगी और चैत्र नवरात्रि की नवमी 27 मार्च को मनाई जाएगी। अष्टमी और नवमी पर कन्याओं को भोजन कराया जाता है। नवरात्र के दौरान अलग-अलग दिनों में देवी दुर्गा के अलग-अलग रूपों की पूजा की जाती है। इन नौ दिनों में अष्टमी और नवमी तिथि सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। नवरात्रि के अष्टमी और नवमी तिथि कन्या पूजन का विशेष महत्व होता है। व्रत रखने वाले भक्त कन्याओं को भोजन कराने के बाद ही अपना व्रत खोलते हैं। कन्याओं को देवी मां का स्वरूप माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन कन्याओं को भोजन कराने से घर में सुख, शांति एवं सम्पन्नता आती है। कन्या भोज के दौरान नौ कन्याओं का होना आवश्यक होता है। इस बीच यदि कन्याएं 10 वर्ष से कम आयु की हो तो जातक को कभी धन की कमी नहीं होती और उसका जीवन उन्नतशील रहता है।

नवरात्रि में कन्या पूजन का बहुत महत्व है। आमतौर पर नवमी को कन्याओं का पूजन करके उन्हें भोजन कराया जाता है। लेकिन कुछ श्रद्धालु अष्टमी को भी कन्या पूजन करते हैं। नवरात्रि में अष्टमी और नवमी के दिन कन्या भोजन का विधान ग्रंथों में बताया गया है। इसके पीछे भी शास्त्रों में वर्णित तथ्य यही हैं कि 2 से 10 साल तक उम्र की नौ कन्याओं को भोजन कराने से हर तरह के दोष खत्म होते हैं। कन्याओं को भोजन करवाने से पहले देवी को नैवेद्य लगाएं और भेंट करने वाली चीजें भी पहले देवी को चढ़ाएं। इसके बाद कन्या भोज और पूजन करें। कन्या भोजन न करवा पाएं तो भोजन बनाने का कन्या सामान जैसे चावल, आटा, सब्जी और फल कन्या के घर जाकर उन्हें भेंट कर सकते हैं।

कन्या पूजन महाष्टमी और रामनवमी

नवरात्रि में कन्या पूजन या कुमारी पूजा, महाष्टमी और रामनवमी दोनों ही तिथियों को किया जाएगा। महाष्टमी को मां महागौरी और रामनवमी को मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। जिन घरों में महाष्टमी और महानवमी की पूजा होती है, वहां इस दिन कन्याओं को भोजन कराया जाता है और उन्हें गिफ्ट बांटे जाते हैं।



पुराणों में है कन्या भोज का महत्व

पौराणिक धर्म ग्रंथों एवं पुराणों के अनुसार नवरात्री के अंतिम दिन कौमारी पूजन आवश्यक होता है। क्योंकि कन्या पूजन के बिना भक्त के नवरात्र व्रत अधूरे माने जाते हैं। कन्या पूजन के लिए अष्टमी और नवमी तिथि को उपयुक्त माना जाता है। कन्या भोज के लिए दस वर्ष तक की कन्याएं उपयुक्त होती हैं।

कन्या और देवी के शस्त्रों की पूजा

अष्टमी को विविध प्रकार से मां शक्ति की पूजा करें। इस दिन देवी के शस्त्रों की पूजा करनी चाहिए। इस तिथि पर विविध प्रकार से पूजा करनी चाहिए और विशेष आहुतियों के साथ देवी की प्रसन्नता के लिए हवन करवाना चाहिए। इसके साथ ही 9 कन्याओं को देवी का स्वरूप मानते हुए भोजन करवाना चाहिए। दुर्गाष्टमी पर मां दुर्गा को विशेष प्रसाद चढ़ाना चाहिए। पूजा के बाद रात्रि को जागरण करते हुए भजन, कीर्तन, नृत्यादि उत्सव मनाना चाहिए।

हर आयु की कन्या का होता है अलग महत्व

2 साल की कन्या को कौमारी कहा जाता है। इनकी पूजा से दुख और दरिद्रता खत्म होती है। 3 साल की कन्या त्रिमूर्ति मानी जाती है। त्रिमूर्ति के पूजन से धन-धान्य का आगमन और परिवार का कल्याण होता है। 4 साल की कन्या कल्याणी मानी जाती है। इनकी पूजा से सुख-समृद्धि मिलती है। 5 साल की कन्या रोहिणी माना गया है। इनकी पूजा से रोग-मुक्ति मिलती है। 6 साल की कन्या कालिका होती है। इनकी पूजा से विद्या और राजयोग की प्राप्ति होती है।

7 साल की कन्या को चंडिका माना जाता है। इनकी पूजा से ऐश्वर्य मिलता है। 8 साल की कन्या शांभवी होती है। इनकी पूजा से लोकप्रियता प्राप्त होती है। 9 साल की कन्या दुर्गा को दुर्गा कहा गया है। इनकी पूजा से शत्रु विजय और असाध्य कार्य सिद्ध होते हैं। 10 साल की कन्या सुभद्रा होती है। सुभद्रा के पूजन से मनोरथ पूर्ण होते हैं और सुख मिलता है।

अष्टमी तिथि 26 मार्च

चैत्र नवरात्रि की अष्टमी तिथि 25 मार्च 2026 को दोपहर 1:50 बजे से शुरू होकर 26 मार्च 2026 को सुबह 11:48 बजे तक रहेगी। ऐसे में नवरात्र की अष्टमी तिथि का व्रत 26 मार्च को रखा जाएगा।

नवमी तिथि 27 मार्च

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि का आरंभ 26 मार्च 2026 को सुबह 11:46 मिनट पर होगा। वहीं इस तिथि का अंत 27 मार्च 2026 को सुबह 10:07 मिनट पर होगा। ऐसे में नवरात्र की नवमी तिथि का व्रत 27 मार्च को रखा जाएगा।

इस तरह करें पूजन

कन्या पूजन के दिन घर आई कन्याओं का सच्चे मन से स्वागत करना चाहिए। इससे देवी मां प्रसन्न होती हैं। इसके बाद स्वच्छ जल से उनके पैरों को धोना चाहिए। इससे भक्त के पापों का नाश होता है। इसके बाद सभी नौ कन्याओं के पैर छूकर आशीर्वाद लेना चाहिए। इससे भक्त की तरक्की होती है। पैर धोने के बाद कन्याओं को साफ आसन पर बैठाना चाहिए। अब सारी कन्याओं के माथे पर कुमकुम का टीका लगाना चाहिए और कलावा बांधना चाहिए। कन्याओं को भोजन कराने से पहले अन्य का पहला हिस्सा देवी मां को भेंट करें, फिर सारी कन्याओं को भोजन परोश। वैसे तो मां दुर्गा को हलवा, चना और पूरी का भोग लगाया जाता है। लेकिन अगर आपका सामाथ्य नहीं है तो आप अपनी इच्छानुसार कन्याओं को भोजन कराएं। भोजन समाप्त होने पर कन्याओं को अपने सामथ्य अनुसार दक्षिणा अवश्य दें। क्योंकि दक्षिणा के बिना दान अधूरा रहता है।

विवाह में देरी

यदि शादी में देरी हो रही है तो पांच साल की कन्या को खाना खिलाकर। श्रृंगार का सामान भेंट करें।

धन संबंधी समस्या

पैसों की कमी से परेशान हैं तो चार साल की कन्या को खीर खिलाएं। इसके बाद पीले कपड़े और दक्षिणा दें।

शत्रु बाधा और काम में रुकावटें

नौ साल की तीन कन्याओं को भोजन सामग्री और कपड़े दें।

पारिवारिक क्लेश

तीन और दस साल की कन्याओं को मिठाई दें।

बेरोजगारी

छह साल की कन्या को छाता और कपड़े भेंट करें।

सभी समस्याओं का निवारण

पांच से 10 साल की कन्याओं को भोजन सामग्री देकर दूध, पानी या फलों का रस भेंट करें। सौन्दर्य सामग्री भी दें।

अष्टमी और नवमी के दिन इन बातों का भी रखें ध्यान

चैत्र नवरात्रि के अंतिम दिन कन्या पूजन के बाद व्रत का पारण किया जाता है। कुछ लोग अष्टमी को कन्या पूजन करते हैं तो कुछ लोग नवमी तिथि पर। इस दिन कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर पूजन किया जाता है। साथ ही, भक्त अपनी श्रद्धा अनुसार कन्याओं को धन, पेंसिल आदि चीजें भेंट करते हैं। चैत्र नवरात्रि की अष्टमी मनाने वाले जातक 26 मार्च, गुरुवार को कन्या पूजन करेंगे और नवमी तिथि इस बार 27 मार्च, शुक्रवार को पड़ रही है।

अष्टमी कन्या पूजन शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, अष्टमी तिथि का आरंभ 25 मार्च, बुधवार के दिन दोपहर में 1 बजकर 51 मिनट से होगा और अगले दिन 26 मार्च, गुरुवार को सुबह 11 बजकर 49 मिनट तक अष्टमी तिथि व्याप्त रहेगी। इसके पश्चात, नवमी तिथि लग जाएगी। ऐसे में जो लोग अष्टमी पूजते हैं उनके लिए 26 मार्च को सुबह 11 बजकर 49 मिनट तक कन्या पूजन कर लेना उत्तम रहेगा।

नवमी कन्या पूजन शुभ मुहूर्त

पंचांग की गणना के मुताबिक, नवमी तिथि 26 मार्च, गुरुवार को सुबह 11 बजकर 50 मिनट से शुरू हो जाएगी और अगले दिन यानी 27 मार्च, शुक्रवार को सुबह 10 बजकर 8 मिनट तक व्याप्त रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, 27 मार्च को नवमी पूजन करना शास्त्र सम्मत होगा। जो लोग अष्टमी का व्रत रखकर नवमी के दिन व्रत का पारण करते हैं उनके लिए 27 तारीख को सुबह 10 बजकर 8 मिनट तक कन्या पूजन कर लेना आवश्यक होगा। क्योंकि इसके पश्चात 10वीं तिथि का आरंभ हो जाएगा।

चैत्र नवरात्रि कन्या पूजन विधि

अष्टमी व नवमी तिथि यानी जिस भी दिन आप कन्या पूजन करते हों उस दिन सर्वप्रथम कन्याओं के चरण धोने चाहिए।

कन्याओं को आसन पर बिठाकर उन्हें तिलक लगाएं और अपने घर में ही भोजन कराना चाहिए। इसके लिए हलवा, पूरी, चने और खीर बनाया जा सकता है।

कन्या पूजन में आप कन्याओं को लाल वस्त्र भेंट कर सकते हैं। उन्हें मां दुर्गा स्वरूप मानते हुए लाल वस्त्र भेंट करने से अत्यंत शुभ फल प्राप्त होता है।



भोजन के साथ-साथ कन्याओं को एक फल भी जरूर देना चाहिए। इसके लिए आप केला, सेब, अनार आदि ले सकते हैं। साथ ही, कन्याओं को वस्त्र के अलावा लाल रंग की चुनरी भी भेंट की जा सकती है।

कन्या पूजन के पश्चात कन्याओं को श्रृंगार का सामान देने का भी खास महत्व होता है। इसके लिए आप उन्हें लाल बिंदी, नेलपेंट, चूड़ियां आदि भेंट कर सकते हैं।

मान्यता है की कन्याओं को श्रृंगार का सामान देने से ये सीधा देवी को अर्पित माना जाता है। इसके अलावा, लोक मान्यताओं के अनुसार जीरा या चावल भी कपड़े में बांधकर दिया जाता है।

कन्या पूजन के दौरान इन बातों का रखें ध्यान अष्टमी और नवमी तिथि पर आमतौर पर नौ कन्याओं को भोजन कराया जाता है। लेकिन अगर ऐसा संभव न हो तो आप 3, 5 या 7 कन्याओं को भी भोजन करा सकते हैं।

कन्या पूजन में कन्याओं के साथ ही एक लड़के को भी भोजन कराना चाहिए। जिसे बटुक भैरव कहा जाता है और 9 कन्याओं को देवी दुर्गा का नौ स्वरूप माना जाता है।

शास्त्रों के अनुसार, नवरात्रि में पहले दिन से लेकर अंतिम दिन तक कन्याओं को भोजन कराया जा सकता है। साथ ही, नवमी और अष्टमी तिथि पर भी कन्या पूजन किया जाता है।

शास्त्रीय नियम है की अष्टमी व नवमी तिथि पर 2 से 10 आयु तक की कन्याओं को भोजन कराना चाहिए। विधि-पूर्वक कन्या पूजन करने से साधक को कई दोषों से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, मां दुर्गा की कृपा से सुख-सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है।

ग्लोबल सर्वे में प्रधानमंत्री मोदी फिर नंबर 1

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व के सबसे लोकप्रिय लोकतांत्रिक नेता के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी है। हाल ही में अमेरिकी डेटा एनालिटिक्स फर्म मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा किए गए एक वैश्विक सर्वेक्षण में उन्हें 68 प्रतिशत अनुमोदन रेटिंग प्राप्त हुई है, जो उनके निरंतर घरेलू समर्थन और बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मान्यता को उजागर करता है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने 26 मार्च को कहा कि यह भारत के लिए अत्यंत गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता बने हुए हैं। यह उनकी विश्वसनीयता को दर्शाता है। यह भारत और पूरी दुनिया के लोगों के उनके नेतृत्व में विश्वास को दर्शाता है प्रधानमंत्री, जो भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले राष्ट्रध्यक्ष भी हैं, सत्ता समर्थक रुख, लोकप्रियता, निष्पत्ता और विश्वसनीयता का प्रतीक हैं। पूनावाला ने कहा जब भी भारत को कोई वैश्विक पहचान मिलती है, तो कांग्रेस पार्टी ही नकारात्मकता की बागडोर संभालती है और निराशावाद फैलाती है।

शशि थरूर का मोदी सरकार पर तीखा हमला

नईदिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को सुलझाने के प्रयासों में पाकिस्तान की प्रमुख भूमिका पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत को, अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और दोनों पक्षों से संबंधों को देखते हुए, कूटनीतिक नेतृत्व करना चाहिए था। अमेरिका और ईरान के बीच गुप्त मध्यस्थता के प्रयासों में पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र की भूमिका की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए थरूर ने कहा कि उन्होंने पहले भारतीय सरकार के सतर्क रुख का समर्थन किया था, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि नई दिल्ली एक रचनात्मक शांति पहल के साथ आगे आएगी। थरूर ने कहा कि मुझे यह कहते हुए खुद हो रहा है कि फिल्हाल हालात अच्छे नहीं हैं। यह हम सबके लिए थोड़ा शर्मनाक है, मैंने ईरान युद्ध पर सरकार के संयम और चुपकी का समर्थन इसलिए किया था क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि सरकार इसका इस्तेमाल शांति स्थापित करने के लिए करेगी और शांति की अगुवाई करेगी।

यूपी में एलपीजी का मतलब लापता गैस : अखिलेश यादव

लखनऊ। यूपी में एलपीजी की किल्लत को लेकर गैस एजेंसियों के सामने लगी लंबी लाइनों को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोगों को लाइनों में लगाने के अलावा किया ही क्या है। अब मैं देख रहा हूं कि लोग पेट्रोल के लिए भी लाइनों में लगे हुए हैं। अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने एलपीजी संकट को लेकर कुछ भी तैयारी नहीं की। अब तो 14 किलो का सिलिंडर भी 10 किलो का आ रहा लेकिन उससे भी ज्यादा ली जा रही है। यूपी में एलपीजी का मतलब लापता गैस है। गैस न मिलने से लोगों को खाना बनाने के लिए गैस और चूल्हे का सहारा लेना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक कचौरी एक समोसा अब गैस पर न रहा भरोसा। सुना है कोयले पर चाय और रोटी अच्छी बनती है। कई लोग स्मोकड फूड पसंद करते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने अखिलेश यादव पर किया पलटवार

लखनऊ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पीडीए का राग अलापने वाले सपाइयों को सच सुनने की आदत डालनी चाहिए। सपा का तथाकथित पीडीए सामाजिक न्याय का अभियान नहीं, बल्कि परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी है। इसका मकसद सिर्फ एक परिवार के राजनीतिक हितों और वंशवादी राजनीति को आगे बढ़ाना है। दरअसल, अखिलेश ने एक्स पर लिखा था कि भाजपाइयों को सोते-जागते सिर्फ पीडीए ही सुनाई और दिखाई देता है। लोकसभा में हार की हताशा और आने वाले विधानसभा चुनाव में सत्ता से बाहर होने के डर से ये पीडीए का नाम सुनते ही कांपने लगे हैं। इसी बयान पर पलटवार करते हुए चौधरी ने कहा कि बुलडोजर से डर उन्हें लगता है जिनका माफिया और दंगाइयों से नाता रहा है। यह गरीब की झोपड़ी पर नहीं, बल्कि सपा के पाले उन गुंडों और भू माफिया पर चल रहा है जिन्होंने वर्षों तक गरीबों का हक मारा और अवैध कब्जे किए।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए करूंगी काम : रत्ना देबनाथ

उत्तर 24 परगना। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में आरजी कर मेडिकल कॉलेज दुष्कर्म और हत्या मामले की पीड़िता की मां रत्ना देबनाथ ने गुरुवार से अपना चुनाव प्रचार शुरू किया। रत्ना देबनाथ को भाजपा ने पानीहाटी सीट से उम्मीदवार बनाया है। रत्ना देबनाथ ने गुरुवार को कहा कि मैं चुनाव लड़ूंगी। उन्होंने कहा कि मैं महिलाओं की सुरक्षा, महिलाओं की हिफाजत और महिलाओं के सशक्तिकरण को सुनिश्चित करूंगी। भाजपा उम्मीदवार रत्ना देबनाथ ने कहा कि उन्होंने अपनी बेटी के लिए न्याय दिलाने का संकल्प लिया। देबनाथ ने पानीहाटी से अपनी उम्मीदवारी को जनता की जीत बताया। उन्होंने बुनियादी अधिकारों की रक्षा करने में विफल रहने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। रत्ना देबनाथ ने एक दिन पहले बुधवार को कहा था, मैं चुनाव नहीं जीतूंगी; पानीहाटी के लोग जीतेंगे। पानीहाटी के लोग विरोध करना भूल गए हैं।

28 को टीएमसी की नाकामियां बताएंगे शाह

बंगाल चुनाव में होगी आरोपों की बरसात, ममता को कई मुद्दों पर घेरेंगे

नईदिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 28 मार्च को पश्चिम बंगाल के दौरे पर रहेंगे। अपनी यात्रा के दौरान, शाह एक अहम प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे। इसमें वह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप पत्र दाखिल करेंगे। इसमें सत्तारूढ़ दल के खिलाफ पार्टी के आरोपों का ब्योरा दिया जाएगा।

बंगाल भाजपा के सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्री अमित शाह एक खास प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और टीएमसी सरकार के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करेंगे। आरोपपत्र में पिछले कई वर्षों में टीएमसी सरकार के दौरान कथित भ्रष्टाचार, शासन की विफलताओं और कानून-व्यवस्था संबंधी चिंताओं का विस्तृत विवरण होने की उम्मीद है। वरिष्ठ भाजपा नेताओं का संकेत है कि दस्तावेज में भर्ती में कथित अनियमितताओं, वित्तीय कुप्रबंधन और पार्टी की ओर से कथित तौर पर प्रशासनिक खामियों जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया



जाएगा।

आरोपपत्र के अलावा, भाजपा तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में हुए 15 वर्षों के कुशासन और भ्रष्टाचार को उजागर करने वाला एक विस्तृत पत्र जारी करने जा रही है। इस पत्र में राज्य में शासन व्यवस्था की कमियों से संबंधित पार्टी के दावों का समर्थन करने के लिए आंकड़े, केस स्टडी और क्षेत्रवार आकलन संकलित किए जाने की संभावना है। भाजपा से यह भी उम्मीद की जा रही है कि

वह पश्चिम बंगाल में कथित माफिया शासन के मुद्दों पर अपने राजनीतिक संदेश को और अधिक प्रभावी बनाएंगी। पार्टी नेताओं ने जोर देकर कहा है कि सत्ता में आने पर वे कोयला, रेत और पत्थर जैसे प्राकृतिक संसाधनों के खनन और व्यापार में शामिल अवैध नेटवर्क को खत्म करने के लिए सख्त कार्रवाई करेंगे और संसाधन प्रबंधन में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करेंगे।

इस बीच, पार्टी के चुनाव घोषणापत्र की तैयारियां चल रही हैं, जिसे अप्रैल के पहले सप्ताह में जारी किए जाने की संभावना है। घोषणापत्र जारी करने के लिए 5 अप्रैल की तारीख पर विचार किया जा रहा है। इस घोषणापत्र में पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा के शासन के रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद है, जिसमें विकास, बुनियादी ढांचा, रोजगार सृजन, कानून व्यवस्था और कल्याणकारी उपायों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

विदेश मंत्री जयशंकर दो दिवसीय फ्रांस दौरे पर

नईदिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर गुरुवार से शुक्रवार तक फ्रांस के दौरे पर रहेंगे हैं। यहां वह जी 7 के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए जाएंगे। विदेश मंत्रालय (एमईए) की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसारएस जयशंकर फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्री जीन-नोएल बैरोट के निमंत्रण पर भाग लेंगे।

प्रेस विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि विदेश मंत्री जी 7 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्रालय की ओर से जारी एक प्रेसब्रीफिंग के अनुसार, जी 7 विदेश मंत्रियों की बैठक (एफएमएम) में यूक्रेन युद्ध, पुनर्निर्माण प्रयासों, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक शासन



में सुधार सहित प्रमुख वैश्विक चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। एजेंडा की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्रालय के प्रवक्ता पास्कल कॉन्फावरेक्स ने कहा कि यह बैठक संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान मंत्रियों की एक अनौपचारिक बैठक के तुरंत बाद होगी और जी 7 नेताओं के शिखर सम्मेलन से पहले एक तैयारी के रूप में काम करेगी। ब्रीफिंग में कहा गया, यह सब एवियन शिखर सम्मेलन की तैयारी का हिस्सा है। यह 13 से 15 जून के बीच होगा। इसमें यह भी जोड़ा गया कि चर्चाएं नेताओं के विचार-विमर्श के लिए निकर्ष निर्धारित करने में सहायक होंगी। इस बैठक में तात्कालिक संकटों और दीर्घकालिक संरचनात्मक मुद्दों दोनों पर चर्चा की जाएगी।

कांग्रेस ने कूटनीति के मोर्चे पर केंद्र सरकार को क्यों घेरा?

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर तीखा हमला किया है। उन्होंने पश्चिम एशिया के युद्ध में पाकिस्तान के मध्यस्थ के रूप में उभरने की खबरों को भारत की क्षेत्रीय कूटनीति की बड़ी विफलता बताया है। रमेश ने विदेश मंत्री एस जयशंकर की भी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि जयशंकर भारत की शर्मिंदगी को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं।

इसको लेकर जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा, यह वास्तव में घोर अपराधजनक है कि पाकिस्तान को इस भूमिका के लिए उपयुक्त माना जा रहा है।



नागरिकों तथा धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ युद्ध छेड़ा। बावजूद इसके पाकिस्तान को मध्यस्थ की भूमिका के लिए उपयुक्त माना जाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति की वास्तविकता और उसके तरीके दोनों पर बेहद गंभीर सवाल उठाती है। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी की

कूटनीति की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के समय से की। उन्होंने कहा कि 26/11 के मुंबई हमलों के बाद भारत में पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकेला कर दिया था। लेकिन आज स्थिति बदल गई है। अप्रैल 2025 में पहलगाम हमलों के लिए पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनिर के भड़काऊ बयानों के बावजूद, भारत उसे अलग-थलग करने में नाकाम रहा है, बल्कि इसके उलट पाकिस्तान का अंतरराष्ट्रीय महत्व और बढ़ गया है। रमेश ने दावा किया कि फील्ड मार्शल असीम मुनिर अब राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम के पसंदीदा बन गए हैं।

स्टेल प्रमुख समाचार

आईपीएल की ओपनिंग सेरेमनी का नहीं होगा आयोजन

नईदिल्ली। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट का पहला मैच गत चैंपियन टीम आरसीबी और सन र 1 इ ज स े

हैदराबाद के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। हर बार आईपीएल सीजन की शुरुआत से पहले ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन होता है लेकिन इस बार ऐसा कुछ नहीं होगा। आईपीएल के 19वें सीजन के लिए बीसीसीआई ने ये फैसला लिया है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सीजन आरसीबी के पहली बार आईपीएल खिताब जीतने के बाद बेंगलुरु में 4 जून 2025 को हुई भगदड़ में 11 जाने चली गई थी। जिसे लेकर अब बीसीसीआई ने उस घटना में 11 पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए आईपीएल 2026 की ओपनिंग सेरेमनी को रद्द करने का फैसला किया है। हालांकि, बीसीसीआई के पास प्लान बी भी तैयार है। ओपनिंग सेरेमनी की जगह इस बार भव्य कलोजिंग सेरेमनी होगी। 28 मार्च को ओपनिंग सेरेमनी नहीं, लेकिन बीसीसीआई 31 मई को एक भव्य समापन समारोह आयोजित करने की योजना बना रही है।

इस दौरान बीसीसीआई ने कहा कि, पिछले साल 4 जून को हुई दुखद घटना के कारण, आईपीएल 2026 के ओपनिंग डे पर कोई औपचारिक कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जाएगा। बीसीसीआई 4 जू 2025 को हुई उस त्रासदी में दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आईपीएल के 19वें सीजन की शुरुआत में कोई सांस्कृतिक या मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित नहीं कर रहा है। हालांकि, बीसीसीआई और आईपीएल गवर्नर काउंसिल क्लोजिंग सेरेमनी यानी फाइनल के दिन एक भव्य कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/

प्रमुख समाचार

ईरान ने भारत समेत 5 देशों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति दी

नईदिल्ली। ईरान ने भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान एवं इराक जैसे मित्र देशों को वाणिज्यिक नौवहन के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने यह जानकारी दी। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध कर दिए जाने के बाद से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में उछाल आया है। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक संकरा नौवहन मार्ग है जिससे दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और एलएनजी (द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) का परिवहन होता है। पश्चिम एशिया, भारत की ऊर्जा खरीद का एक प्रमुख स्रोत रहा है। ईरानी सरकारी टेलीविजन के अनुसार, अराघची ने कहा, हमने कुछ ऐसे देशों को (होर्मुज जलडमरूमध्य से) गुजरने की अनुमति दी है जिन्हें हम मित्र मानते हैं।

ईरान ने ठुकराया युद्ध विराम का प्रस्ताव तो कूड फिर उछला

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में फिर तेजी देखने को मिली। शुरुआती गिरावट के बाद कीमतों ने मजबूती पकड़ी, जिससे बाजार में उतार-चढ़ाव का रुख बना हुआ है। ब्रेंट कूड 1.3 प्रतिशत बढ़कर 98.51 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे एक दिन पहले बुधवार को यह 95 डॉलर प्रति बैरल से नीचे कारोबार कर रहा था। वहीं अमेरिकी बेंचमार्क कूड की कीमत भी 1.6 प्रतिशत बढ़कर 91.75 डॉलर प्रति बैरल हो गई। तेल की कीमतों में यह वृद्धि ऐसे समय में हुई जब तेहरान ने बुधवार को अमेरिका द्वारा प्रस्तावित युद्धविराम योजना को खारिज कर दिया। ईरान और ओमान के बीच स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य, जो कि एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है और जहां से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से के तेल का परिवहन होता है।

युद्ध से निर्मित निर्यात चुनौतियों से निपटना आसान नहीं

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 6 मार्च को वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार पश्चिमी एशिया में चल रहे युद्ध से प्रभावित भारतीय निर्यातकों को राहत देने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इन दिनों निर्यातक रसद संबंधी चुनौतियों के अलावा घरेलू बंदरगाहों पर पश्चिम एशिया जाने वाले कार्गो के अटकने से खड़े होने वाले संकट के प्रति आगाह कर रहे हैं। 7 मार्च को थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण भारत के करीब 11.8 अरब डॉलर मूल्य के कृषि निर्यात पर खतरा मंडरा रहा है। यह भारत के द्वारा पिछले वर्ष किए गए कुल कृषि निर्यात का करीब 21.8 प्रतिशत है। ऐसे में सरकार अपने निर्यातकों को राहत

देने के कुछ ठोस तरीके अपनाने की डगर पर आगे बढ़ी है।

सरकार ने तत्परतापूर्वक युद्ध से निर्मित हालात से भारतीय निर्यात पर पड़ने वाले प्रभाव पर निर्यात से संबंधित सरकारी मंत्रालयों, निर्यातकों के संगठन, लॉजिस्टिक संचालकों और शिपिंग कंपनियों के प्रतिनिधियों की विशेष बैठक में विचार-मंथन के बाद बहुमंत्रालयी सहायता डेस्क सहित निर्यातकों को हरसंभव सहयोग-प्रोत्साहन दिया जाना सुनिश्चित किया है।

उल्लेखनीय है कि ईरान और इजराइल-अमेरिका के युद्ध के बीच ईरान के द्वारा वैश्विक शिपिंग रूट होर्मुज स्ट्रेट बंद कर दिया गया है। दुनिया को मिलने वाला करीब तिहाई तेल, करीब 20 फीसदी लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) और खाद्य उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। ऐसे में इस जलमार्ग के बंद हो जाने से कच्चे



तेल का ग्लोबल सप्लाई चेन प्रभावित होने लगी है। चूंकि कच्चे तेल के लिहाज से भारत का करीब 40 प्रतिशत कच्चा तेल इसी रास्ते से होकर आता है, ऐसे में यह युद्ध भारत के लिए कच्चे तेल संबंधी चिंता के साथ निर्यात चुनौती निर्मित करते हुए दिखाई दे रहा है। जस्तूरतों के करीब 85 फीसदी तेल आयात पर निर्भर है, अतएव कच्चे तेल के दाम में बढ़ोत्तरी भारत के आयात बिल की चिंता बढ़ाते हुए दिखाई दे रही है। स्थिति यह है कि

7 मार्च को कच्चे तेल की कीमत करीब 91 डॉलर प्रति बैरल के मूल्य स्तर पर पहुंच गई है। युद्ध के लंबा खिंचने पर कच्चे तेल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती है और इससे पेट्रोल, डीजल व अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे।

इससे भारत से निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की चुनौती गहराते हुए दिखाई देगी। चूंकि इस युद्ध से सीधे तौर पर जुड़े हुए अमेरिका, इजराइल और ईरान सहित युद्ध से प्रभावित पश्चिम एशियाई और यूरोपीय देश भी भारत के लिए निर्यात के प्रमुख बाजार हैं, ऐसे में भारत के निर्यातकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। पश्चिम एशिया जाने वाला माल भारत के घरेलू बंदरगाहों पर जमा होने लगा है। शिपिंग कंपनियां चालक दल, कार्गो और जहाजों की सुरक्षा को देखते नए निर्यात आदेश नहीं ले रही हैं। ऐसे में खासतौर से पश्चिम एशिया के देशों में निर्यात घटने की

आशंका है।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि विस्तारित होते हुए ईरान और इजराइल-अमेरिका युद्ध के बीच भारत से निर्यात बढ़ाना कोई सरल काम नहीं है। ऐसे में भारत के द्वारा निर्यात बढ़ाने के लिए चिन्हित किए गए करीब 200 देशों में निर्यात की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। भारत से निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर निर्यातकों की दिक्कतों को कम करना होगा। ये दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं हैं वरन् निर्यात पर लगाए गए एंटी-डॉपिंग शुल्क से भी संबंधित हैं।

उम्मीद करें कि सरकार के द्वारा हाल ही में निर्यातकों के लिए जो बहुमंत्रालयी सहायता डेस्क बनाया गया है, वह डेस्क निर्यातकों, लॉजिस्टिक संचालकों और शिपिंग कंपनियों के लिए हरसंभव सहयोग और सहायता के लिए अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई देगा।

एशियन गेम्स का पदक जीतना मेरा अधूरा सपना: मीराबाई चानू

रायपुर। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता सेखोम मीराबाई चानू ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के उद्घाटन अवसर पर अपने करियर के सबसे बड़े अधूरे लक्ष्य, एशियन गेम्स पदक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह सपना अब भी उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। पिछले एक दशक से भारतीय वेटलिफ्टिंग की अग्रणी खिलाड़ी रही मीराबाई ने ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और कॉमनवेल्थ गेम्स में कई पदक जीते हैं, लेकिन एशियाई खेलों में पदक अब तक उनसे दूर रहा है। उन्होंने 2014 इंचियोन एशियन गेम्स में 19 वर्ष की उम्र में पदार्पण किया था, जहां वे नौवें स्थान पर रहीं। इसके बाद 2018 जकार्ता एशियन गेम्स में पीठ की



चोट के कारण हिस्सा नहीं ले सकीं, जबकि 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स में हिप की चोट ने उनका सपना अधूरा छोड़ दिया। 31 वर्षीय मीराबाई ने कहा कि एशियन गेम्स मेरे लिए बेहद खास है। वहां प्रतिযোগिता का स्तर बहुत ऊंचा होता है, और यही इसे सबसे चुनौतीपूर्ण बनाता है। मेरा सपना है कि मैं वहां पदक

जीतूं। हालांकि, इस लक्ष्य की राह आसान नहीं है। नियमों में बदलाव के कारण उन्हें 48 किलोग्राम और 49 किलोग्राम वर्ग के बीच संतुलन बनाना होगा। वे 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में 48 किलोग्राम वर्ग में उतरेंगी, जबकि 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक नागोया (जापान)

में आयोजित एशियन गेम्स में 49 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी। उन्होंने बताया कि कॉमनवेल्थ गेम्स तक मैं 48 किलोग्राम में खेलूंगी, लेकिन एशियन गेम्स के लिए फिर से 49 किलोग्राम वर्ग में आना होगा, जो एक बड़ी चुनौती है। मीराबाई ने हाल ही में राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 48 किलोग्राम वर्ग में तीन नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए। उन्होंने स्लैच में 89 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 116 किलोग्राम वजन उठाते हुए कुल 205 किलोग्राम के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस अवसर पर उन्होंने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की सराहना

करते हुए कहा कि यह आयोजन देश के दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ियों के लिए बड़ा मंच साबित होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे आने का मौका मिलता है, खासकर उत्तर-पूर्व और जनजातीय इलाकों में जहां बहुत टैलेंट है, लेकिन मंच की कमी रहती है। मीराबाई ने नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और साई ट्रेनिंग सेंटर की भी प्रशंसा की। उनके अनुसार, इन संस्थानों में खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण, पोषण और सुविधाएं मिल रही हैं, जो भारतीय खेलों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

अनुष्का भगत ने जीता दूसरा पदक

■ कर्नाटक के तैराक मणिकांता ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की



शासित प्रदेश हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें लगभग 3800 खिलाड़ी नौ खेलों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। तीरदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती में कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर हैं, जबकि मल्लखंब और कबड्डी को प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल किया गया है।

मणिकांता, जिन्होंने बुधवार को 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक और 50 मीटर बटरफ्लाय में स्वर्ण पदक जीते थे, ने अपना दबदबा जारी रखते हुए 200 मीटर इंडिविजुअल मेडल 2.25.93 सेकंड में जीत लिया। त्रिपुरा के रियाज त्रिपुरा

(2.34.04 सेकंड) ने रजत और ओडिशा के कान्हू सोरेन (2.36.21 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 200 मीटर इंडिविजुअल मेडल में अंजलि मुंडा ने 2.53.82 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। छत्तीसगढ़ की अनुष्का भगत (2'25.33 सेकंड) ने रजत और ओडिशा की अंजलि मलिक (3'06.13 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता। 1 में कर्नाटक छह स्वर्ण और दो रजत पदकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि ओडिशा तीन स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने पुनर्वासि केंद्र दंतेवाड़ा में युवाओं से की मुलाकात



रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने गुरुवार को दंतेवाड़ा स्थित पुनर्वासि केंद्र का निरीक्षण कर पुनर्वासित युवाओं से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं को इलेक्ट्रिकल दूल किट एवं वेलकम किट का वितरण किया। नवरात्रि के अंतिम दिन उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने दंतेवाड़ा पहुंचकर उन्होंने माँ दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इसके पश्चात वे

पुनर्वासि केंद्र पहुंचे, जहां उन्होंने वहां प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं से चर्चा की और उनकी आवश्यकताओं एवं भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली। युवाओं ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद वे अपने गृह ग्राम लौटकर खेती-किसानी करना चाहते हैं। इस पर शर्मा ने आश्चस्त किया कि इच्छुक युवाओं को कृषि संबंधी प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। उपमुख्यमंत्री विजय

शर्मा ने पुनर्वासि केंद्र दंतेवाड़ा में युवाओं से की मुलाकात उपमुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पुनर्वासि नीति का उद्देश्य उन्हें मुख्यधारा से जोड़कर सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। उन्होंने युवाओं से अपने अन्य साथियों को भी पुनर्वासि के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया, ताकि वे भी समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर उज्ज्वल भविष्य बना सकें। उन्होंने पुनर्वासि केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, भोजन व्यवस्था एवं प्रशिक्षण गतिविधियों की समीक्षा की। युवाओं द्वारा स्वयं भोजन बनाने की इच्छा जताने पर उन्होंने अनुमति प्रदान करते हुए कहा कि इच्छुक युवा स्वेच्छा से भोजन बना सकते हैं।

बेहतर विद्युत आपूर्ति के लिए 132 केवी का नया सब-स्टेशन ऊर्जीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी निरंतर और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति के लिए राजधानी में पारेषण क्षमता का विस्तार कर रही है। इसी कड़ी में मेटलपार्क सिलतरा में 132/33 केवी के नए उपकेंद्र का निर्माण किया गया है, जिसकी क्षमता 126 एमवीए है। इसे ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने बटन दबाकर ऊर्जीकृत किया। इस क्षमता विस्तार से उरला-सिलतरा औद्योगिक क्षेत्र सहित राजधानी के घरेलू उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति हो सकेगी। इस अवसर पर शुक्ला ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं पाँच ट्रांसमिशन कंपनी के अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह के निर्देशन में प्रदेश में पारेषण नेटवर्क को मजबूत बनाने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। इसमें राजधानी में पंजीगत निवेश के तहत कार्य कराए जा रहे हैं। इसी के तहत मेटल पार्क रायपुर में 132/33 के.वी. के नए की स्थापना की गई है, जिसमें 63-63 एमवीए



के दो पाँच ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। इसकी अनुमानित लागत लगभग 28 करोड़ रुपए है। इस उपकेंद्र से 33 केवी के आठ फीडर में बिजली सप्लाई हो रही है। इससे ट्रांसपोर्ट नगर, कैलाश नगर, रावभांदा, बंजारी मंदिर के पीछे का क्षेत्र, अकबर बाड़ी, बिलासपुर रोड घनेली निमोरा अछोली, मेटल पार्क आरटीओ के पीछे, बीरगांव तालाब के पास का क्षेत्र तथा उरकुरा सहित औद्योगिक क्षेत्र के घरेलू एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं को इसका लाभ प्राप्त होगा। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालक निदेशक सर्वश्री केएस मनोदिया, संजय पटेल, एमएस चौहान, वीके दीक्षित, मुख्य अभियंता सर्वश्री अब्राहम वर्गीश, प्रमोद गोसावई सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

उर्वरकों की कालाबाजारी पर होगी कड़ी निगरानी और सख्त कार्यवाही: नेताम

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने कहा है कि राज्य सरकार ने आगामी खरीफ सीजन के लिए रासायनिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इस तरह की जानकारी संज्ञान में आ रही है कि फास्फेटिक उर्वरक के प्रमुख स्रोत डी.ए.पी. का अनियमित उठाव कृषक भाइयों द्वारा किया जा रहा है, जिससे अन्य कृषकों में प्रतिकूल वातावरण निर्मित होने की संभावना है।



केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा समन्वय से किये जा रहे प्रयासों से राज्य के कृषकों का हित संरक्षण सुनिश्चित किया गया है। कृषक भाइयों से अनुरोध है कि भूमि धारिता एवं पात्रता अनुसार ही उर्वरकों का भंडारण करें ताकि

इसमें किसी प्रकार की त्रुटि पायी जाती है तो अन्य कृषकों को पर्याप्त उपलब्धता के दृष्टिगत समस्त वैधानिक कार्यवाहियां सुनिश्चित करने के लिए शासन सजग है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आवश्यक होने पर वैकल्पिक पौध पोषण स्रोतों की व्यवस्था के लिए आकस्मिक कार्य योजना भी तैयार कर ली गई है, ताकि पौध पोषण में किसी प्रकार की कमी ना हो। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा राज्य के लिए चिन्हित नील हरित काई के मंदर कल्चर के उत्पादन की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है तथा माह अप्रैल से इसका वृहद उत्पादन कृषि विज्ञान केंद्रों, शासकीय उद्यान रोपणियों एवं शासकीय कृषि प्रक्षेत्रों में किया जाएगा।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

रजत बंसल सीएम सचिवालय में विशेष सचिव

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रशासनिक फेरबदल करते हुए रजत बंसल को मुख्यमंत्री सचिवालय में पोस्टिंग के साथ जनसंपर्क आयुक्त का प्रभार सौंपा है, जबकि रवि मिश्र को प्रधानमंत्री कार्यालय में उप सचिव पद के लिए रिलीव कर दिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार दोनों निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू किए गए हैं। वर्ष 2012 बैच के आईएएस अधिकारी रजत बंसल को अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक विशेष सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय के पद पर पदस्थ किया गया है। वे अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ आयुक्त जनसंपर्क, सीईओ 'संवाद', संचालक भौमिकी एवं खनिकर्म तथा प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। वहीं, वर्ष 2016 बैच के आईएएस अधिकारी रवि मिश्र को भारत सरकार के आदेश के परिपालन में प्रधानमंत्री कार्यालय, नई दिल्ली में उप सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया है।

गैस की उपलब्धता एवं वितरण प्रणाली की सचिव ने समीक्षा की

रायपुर। प्रदेश में गैस की उपलब्धता एवं वितरण प्रणाली के संबंध में ऑयल कंपनियों के क्षेत्रीय प्रबंधकों के साथ खाद्य विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहब कंगाले ने समीक्षा बैठक ली। बैठक में एलपीजी की उपलब्धता, वितरण प्रणाली एवं उपभोक्ता संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।बैठक में निर्णय लिया गया कि कर्मशियल एलपीजी उपभोक्ता संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों को विगत माह की कुल खपत के अधिकतम 20 प्रतिशत तक ही एलपीजी प्रदाय किया जाएगा। इसके साथ ही शहरी क्षेत्रों में 25 दिवस तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिवस के भीतर एलपीजी रिफिल की ऑनलाइन बुकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस मिल सके। जिला प्रशासन को सभी एलपीजी वितरकों के कार्यालय एवं गोदामों में पुलिस एवं होमगार्ड के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे भीड़भाड़ एवं अव्यवस्था की स्थिति न बने। उपलब्ध स्टॉक को ध्यान में रखते हुए विभिन्न संस्थानों के लिए प्राथमिकता श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। इनमें शैक्षणिक संस्थान एवं चिकित्सालय, सैन्य एवं अर्द्धसैन्य कैंप, जेल, होटल, समाज कल्याण विभाग के संस्थान, रेलवे एवं एयरपोर्ट कैंटीन, शासकीय कार्यालय, गेस्ट हाउस, पशु आहार उत्पादक इकाइयां तथा रेस्टोरेंट शामिल हैं।

विधायक को अफसरों ने दी गलत जानकारी, हुई कार्रवाई

रायपुर। विधानसभा के बजट सत्र में दी गई एक जानकारी को लेकर छत्तीसगढ़ में नया विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, अधिकारियों की ओर से सदन में गलत जवाब दिए जाने का मामला सामने आया है, जिससे प्रशासनिक लापरवाही उजागर हुई है। जानकारी के अनुसार एक विधायक ने जैतू साव मठ को दी गई सुआवजा राशि को लेकर सवाल पूछा था। इसके जवाब में अधिकारियों ने लिखित रूप से बताया कि 2 फरवरी 2023 को 30.75 लाख रुप प य ए आरटीजीएस के जरिए ट्रस्ट के खाते में जमा करा दिए गए हैं। हालांकि, जांच में यह दावा पूरी तरह गलत निकला। ट्रस्ट के सचिव ने स्पष्ट किया है कि उनके खाते में अब तक कोई राशि प्राप्त नहीं हुई है। इस खुलासे के बाद यह मामला और गंभीर हो गया है, क्योंकि विधानसभा में आधिकारिक तौर पर गलत जानकारी प्रस्तुत की गई है। इसे प्रशासनिक स्तर पर बड़ी चूक माना जा रहा है। अब इस मामले में जवाबदेही तय करने और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठने लगी है। विपक्ष ने इसे गंभीर मुद्दा बताते हुए सरकार से स्पष्टीकरण और दायित्वों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

डाकघरों में अंतरराष्ट्रीय पार्सल सेवा उपलब्ध

रायपुर। डाक विभाग द्वारा आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रायपुर संभाग के उपडाकघर आने वाले सभी प्रमुख डाकघरों एवं अंतर्गत डाकघरों में अंतरराष्ट्रीय पार्सल एवं अंतरराष्ट्रीय लेख बुकिंग सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। इस सुविधा के माध्यम से अब संभाग के नागरिक अपने पार्सल, दस्तावेज एवं अन्य सामग्री को विश्व के विभिन्न देशों में सुरक्षित, सरल एवं व्यवस्थित प्रक्रिया से भेज सकते हैं। डाक विभाग की यह सेवा पूर्णतः सुरक्षित, पारदर्शी एवं विश्वसनीय है। ग्राहकों को पार्सल की सुरक्षित हैंडलिंग, उचित पैकेजिंग संबंधी मार्गदर्शन तथा ऑनलाइन ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान की जाती है। अन्य निजी कूरियर कंपनियों की तुलना में यह सेवा फ्रीफायरि दलों पर उपलब्ध है तथा भारत सरकार के डाक विभाग द्वारा संचालित होने के कारण अधिक भरोसेमंद है। सरल एवं सुविधाजनक प्रक्रिया डू डाकघर में बुकिंग हेतु ग्राहक अपना पार्सल, प्राप्तकर्ता का पूर्ण एवं सही पता तथा वैध पहचान पत्र प्रस्तुत करें। वजन एवं निर्धारित दर के अनुसार शुल्क लेकर बुकिंग की जाती है तथा ट्रैकिंग रसीद प्रदान की जाती है, जिससे पार्सल की स्थिति ऑनलाइन देखी जा सकती है। फ्री पिकअप सुविधा उपलब्ध- यदि ग्राहक के पास बड़ा या भारी अंतरराष्ट्रीय पार्सल है।

पोर्ट केबिन छात्रावास की घटना विभागी लापरवाही: साहू

रायपुर। बीजापुर जिले के गंगालूर क्षेत्र के पोर्ट केबिन छात्रावास की पढ़ने वाली तीन छात्राएं गर्भवती मामले में आम आदमी पार्टी ने प्रदेश संयुक्त सचिव पूर्णमा सिन्हा के नेतृत्व में जांच समिति गठित की गयी थी। इसी मामले में जांच समिति के सदस्य और प्रदेश संगठन मंत्री समीर खान ने पत्रकार वार्ता में अपनी रिपोर्ट में बताया कि मामला प्रकाश में आने के बाद शिक्षा और प्रशासनिक विभाग मामले की जांच करने की बजाय लीपापोती करने में लगा हुआ था। गर्भवती तीन छात्राओं में से दो 12वीं की, तो एक 11वीं कक्षा में पढ़ रही हैं। दोनों छात्राएं बोर्ड की परीक्षा देने गई थीं, तो इस दौरान मामले का खुलासा हुआ था। प्रदेश सचिव अनुषा जोसेफ ने कहा कि यह घटना छात्रावास में रहने वाली छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल रही है।छात्रावास की एक बच्ची के साथ ऐसे ही दो बार घटना हो चुकी है। जिले में 2-2 डीईओ होने के बावजूद ऐसी घटना होना चिंतनीय है।इहां अधीक्षक की लापरवाही पाई गयी।छात्रावास मे कोई अनुशासन नहीं है।इहां के कैमरे भी बंद हैं। छात्रावास मे कोई भी अच्छी सुविधा नहीं है। प्रदेश प्रवक्ता जयदीप खन्नुजा ने गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि हॉस्टल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किये हैं।

पुनर्वासि नीति से 2800 से अधिक लोग मुख्यधारा में लौटे

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ट्वीट के माध्यम से बस्तर में सुशासन की निर्णायक नीतियों के प्रभाव की जानकारी साझा की है। उन्होंने कहा कि नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वासि नीति 2025 के अंतर्गत 2800 से अधिक लोगों ने हिंसा का रास्ता छोड़ते हुए मुख्यधारा में लौटकर विकास और विश्वास की दिशा में कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि यह आंकड़ा स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि विकास और विश्वास की शक्ति किसी भी भटकाव या हिंसा की भावना पर पड़ती है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अब बस्तर में हिंसा की छाया कम होती जा रही है और उसकी जगह



संभावनाओं की रोशनी फैल रही है। स्रोतों के अनुसार, नक्सल

प्रभावित क्षेत्रों में इस नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले लोग पुनर्वासि कार्यक्रम के अंतर्गत

शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक सहायता और कौशल विकास जैसे सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। इससे स्थानीय समाज में स्थिरता और सुरक्षा की भावना भी बढ़ रही है। यह पहल केवल हिंसा को कम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से स्थानीय समुदायों को रोजगार और विकास के अवसर उपलब्ध कराकर स्थायी शांति स्थापित की जा रही है। मुख्यमंत्री के ट्वीट ने बस्तर के निवासियों और राज्य सरकार के प्रयासों को सार्वजनिक रूप से मान्यता दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि सभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र

मुख्यधारा में आएँ और शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार व सामाजिक सुरक्षा के माध्यम से समृद्धि का हिस्सा बनें। बस्तर में नक्सल समस्या लंबे समय से सुरक्षा और विकास दोनों के लिए चुनौती रही है। राज्य सरकार का इस नीति ने यह दिखा दिया है कि सकारात्मक दृष्टिकोण, विश्वास और सुव्यवस्थित पुनर्वासि कार्यक्रम से हिंसा पर नियंत्रण संभव है। मुख्यमंत्री के ट्वीट को स्थानीय प्रशासन और नागरिक समाज द्वारा भी सराहा जा रहा है। इसके साथ ही यह संदेश भी गया है कि राज्य में शांति, सुरक्षा और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने का समय आ गया है।

दादी जानकी जी की छठवीं पुण्य तिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धाजलि दी गई

रायपुर। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी जानकी जी की छठवीं पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धाजलि दी गई। शालीन सरोवर रिट्रीट सेंटर में आयोजित समारोह में रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर दादी जानकी का श्रद्धापूर्वक पुण्य स्मरण करते हुए ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने कहा कि वह ब्रह्माकुमारी संस्थान के संस्थापक सदस्यों में से एक थीं। दादी जी विश्व के उन दस प्रमुख बुद्धिजीवियों में शामिल थीं



जिन्हें वर्ष 1992 में रियो-डि-जेनरियो में सम्पन्न प्रथम पृथ्वी महासम्मेलन में विश्व के प्रमुख नेताओं का मार्गदर्शन करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनोनीत किया गया था। भारत देश से सिर्फ दो लोगों को यह सौभाग्य मिला था जिनमें से एक दादी जानकी और दूसरे बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा थे। उन्होंने आगे बतलाया कि दादी जी ने राजयोग की अपनी

उपलब्धियों से दुनिया के वैज्ञानिकों को आश्चर्यचकित कर दिया था। आस्ट्रेलिया की युनिवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न, अमेरिका की युनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास, सेनफ्रांसिस्को की युनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया जैसी प्रख्यात संस्थाओं ने वैज्ञानिक परीक्षण में देखा कि परस्पर वातावरण करते हुए तथा गणितीय प्रश्नों का समाधान करते हुए भी दादी जी के मस्तिष्क से हमेशा डेल्टा तरंगें ही प्रवाहित होती हैं। जबकि सामान्यतः गहन विश्राम अथवा निद्रा की अवस्था में ही डेल्टा तरंगें सबसे धीमी तरंगें निकलती हैं। इस प्रकार का परीक्षण वैज्ञानिकों ने विभिन्न योगियों के साथ किया।